www.tamsasanket.com

वर्ष: 29 || अंक 149 || अम्बेडकरनगर

गुरुवार

20 अगस्त 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: ₹2

आज़ादी का अमृत महोत्सव

https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:40
सूर्यास्त: 06:40
अधिकतम: 33°00
न्यूनतम: 28°00

» पेज 07

विशेष समाचार परीक्षा की शुचिता और नौकरी ... » पेज 04 | सजा : सपा के पूर्व एमएलसी ... » पेज 06 | आएशा खान ने शेयर कीं ...

- यूपी में तीन हजार करोड़ के जापानी निवेश से खुलेंगे 10 हजार से अधिक रोजगार के द्वार
- यूपी-जापान निवेश सम्मेलन में कुबोटा और मिंडा के प्रोजेक्ट्स की हुई वर्चुअल ग्राउंड ब्रेकिंग
- यीडा में दो मेगा प्रोजेक्ट की शुरुआत

यूपी में निवेश करें, हर स्तर पर मिलेगा सहयोग: योगी

यूपी-जापान की औद्योगिक दोस्ती नई ऊंचाइयों की ओर

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेशकों की ओर से दिए गए सुझावों को प्रदेश सरकार की टीम ने गंभीरता से लिया है। भरोसा दिया कि निवेशकों के सुझावों और अपेक्षाओं पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और जो भी व्यावहारिक समस्याएं सामने आएंगी, उनके समाधान के लिए हर जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

संवाद

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ/ नई दिल्ली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट-2026 में जापान के उद्यमियों, बड़ी कंपनियों के सीईओ तथा बिजनेस लीडर्स के साथ संवाद में प्रदेश के औद्योगिक इकोसिस्टम तथा तेजी से बढ़ रहे संसाधनों की जानकारी दी। उन्होंने जापानी निवेशकों का प्रदेश में निवेश के प्रति उत्साह दिखाने के लिए आभार जताया। योगी ने कहा कि नौ वर्षों में यूपी ने 360 डिग्री का व्यापक परिवर्तन हुआ है। इसी बदलाव के कारण राज्य देश के प्रमुख तथा ड्रीम इन्वेस्टमेंट गंतव्य के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि सरकार जो कहती है, उसे जमीन पर उतारती है। यूपी में निवेश करें हर स्तर पर सहयोग मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार केवल घोषणाएं करने में विश्वास नहीं करती, बल्कि जो कहती है, उसे धरातल पर उतारती है।

» (शेष पेज 06 पर)

जापानी कंपनियों को सीएम योगी का बड़ा भरोसा

सरकार का सहयोग

नई दिल्ली के होटल ताज पैलेस में आयोजित राउंड टेबल मीट में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में निवेश करने वाले उद्यमियों और कंपनियों को सरकार की ओर से हर संभव सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। निवेशकों का आह्वान किया कि वे उत्तर प्रदेश आएं और यहां अपनी औद्योगिक एवं कारोबार गतिविधियों का विस्तार करें। सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि निवेशकों को किसी भी स्तर पर परेशानी का सामना न करना पड़े।

निवेशकों की हर परेशानी दूर करने का भरोसा

मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि उत्तर प्रदेश में निवेश करने वाली कंपनियों को सरकार की ओर से हर संभव सहयोग मिलेगा। निवेशकों को किसी भी स्तर पर अनावश्यक परेशानी न हो, इसके लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इन्वेस्टमेंट मीट के दौरान उद्योग जगत की ओर से दिए गए सुझावों को गंभीरता से लिया गया है। निवेशकों की व्यावहारिक समस्याओं को समझकर उनके समाधान के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे। सरकार का लक्ष्य ऐसा माहौल तैयार करना है, जहां कंपनियां बिना किसी रुकावट के अपने कारोबार को आगे बढ़ा सकें।

- मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार अपनी नीतियों के दायरे में निवेशकों को हर संभव सहयोग करेगी। सरकार का प्रयास है कि निवेश की प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और समयबद्ध हो तथा उद्यमियों को अपने कारोबार के विस्तार पर ध्यान देने के लिए बेहतर वातावरण मिले। सरकार की पूरी टीम निवेशकों के साथ खड़ी है।

युवा मैनपावर और स्किलिंग बनेगी यूपी की ताकत

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पास बड़ी संख्या में युवा मैनपावर है। सरकार युवाओं को उद्योगों की जरूरत के हिसाब से प्रशिक्षण देने के साथ उनकी स्किलिंग और अपस्किलिंग पर भी काम कर रही है। इसका फायदा प्रदेश में निवेश करने वाली कंपनियों को सीधे मिलेगा। कंपनियों को प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध कराने के साथ सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी और कारोबार से जुड़ी सुविधाओं को लगातार मजबूत कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बदलती औद्योगिक जरूरतों के मुताबिक यूपी खुद को तैयार कर रहा है।

बिहार- छात्रों के समर्थन में आरजेडी का लोकभवन मार्च

पटना । बिहार के सीवान में छात्र आंदोलन के दौरान AK-47 से फायरिंग के मामले को लेकर तेजस्वी यादव बुधवार को सड़क पर उतरे। उन्होंने पटना में जेपी गोलंबर से लोकभवन तक मार्च निकाला। करीब 5 किलोमीटर लंबे मार्च में उनके साथ करीब 5 हजार समर्थक मौजूद रहे। समर्थकों के साथ तेजस्वी डाकबंगले पर लगाई बैरिकेडिंग तोड़कर आगे निकल गए। इनकम टैक्स चौराहे पर पुलिस ने वाटर कैनन चलाई। इसके बाद तेजस्वी को हिरासत में लिया गया। हालांकि, एक घंटा बाद उन्हें छोड़ दिया।

तेजस्वी ने कहा कि मैं जेल से डरने वाला नहीं हूं। हमारे भगवान श्री कृष्ण का जन्म जेल में ही हुआ था। जो सत्ता में आया है, उसका जाना तय है।

कुछ कार्यकर्ताओं ने पुलिस के ऊपर पानी की बोतलें भी फेंकीं।

आजम खान की जौहर यूनिवर्सिटी पर ईडी की रेड

अखिलेश बोले- भ्रष्टाचारियों पर छापा क्यों नहीं?

छापेमारी

तमसा संकेत, एजेंसी

रामपुर । रामपुर जेल में बंद सपा नेता आजम खान की जौहर यूनिवर्सिटी और ट्रस्ट से जुड़े 10 ठिकानों पर बुधवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने छापा मारा। रामपुर में सुबह 7 बजे 6 गाड़ियों से 15 अफसरों की टीम यूनिवर्सिटी के अंदर दाखिल हुई। टीम दस्तावेज खंगाल रही है। बाहर 100 से ज्यादा पुलिसवाले तैनात हैं। इस बीच यूनिवर्सिटी में क्लासेज भी चलीं।

रामपुर के अलावा सहारनपुर और दिल्ली में भी रेड चल रही है। इनमें सहारनपुर के CA दीपक गुप्ता का ऑफिस और घर भी शामिल है। सूत्रों के मुताबिक, ED प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट यानी PMLA के तहत कार्रवाई कर रही है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, सरकारी ठेकों से मिले पैसों को कथित तौर पर जौहर यूनिवर्सिटी और उससे जुड़े ट्रस्ट तक पहुंचाया गया।

- सपा नेता एसटी हसन बोले- आजम साहब हर बार पाक-साफ निकले हैं, इस बार भी निकलेंगे

» (शेष पेज 06 पर)

कहा- वंदे मातरम् और राष्ट्रगान बीजेपी के लिए राजनीतिक मुद्दे

वंदे मातरम के दो ही पैरा गाएगी कांग्रेस

वेणुगोपाल ने कहा कि वंदे मातरम् और राष्ट्रगान कांग्रेस के लिए भावनात्मक मुद्दे हैं, जबकि भारतीय जनता पार्टी के लिए ये राजनीतिक मुद्दे हैं।

सीडब्ल्यूसी बैठक में फैसला

मंथन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । इंदिरा भवन में बुधवार को कांग्रेस वर्किंग कमेटी (CWC) की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने की।

बैठक में पूर्व पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा समेत 88 नेता

शामिल हुए। कांग्रेस ने वंदे मातरम् को लेकर अपना रुख साफ कर दिया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी 1937 में हुई (CWC) की बैठक में लिए गए फैसले का पालन करेगी। इसके तहत पार्टी के कार्यक्रमों में वंदे मातरम् के केवल दो अंतरे गाए जाएंगे।

वेणुगोपाल ने कहा- बैठक में देश के मौजूदा राजनीतिक हालात पर चर्चा के साथ-साथ छात्रों से जुड़े मुद्दों और राम मंदिर के लिए मिले चंदे में कथित गड़बड़ी को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार पर दबाव बढ़ाने की रणनीति पर भी मंथन हुआ।

» (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

मराठी नहीं जानने वाले महाराष्ट्र में ऑटो टैक्सी नहीं चला पाएंगे

मुंबई । मराठी भाषा नहीं जानने वाले ड्राइवर अब महाराष्ट्र में ऑटो-टैक्सी नहीं चला पाएंगे। राज्य में 20 अगस्त से उन ऑटो-रिक्शा और टैक्सी ड्राइवरों के खिलाफ अभियान शुरू होगा, जिनके पास मराठी का 'वर्किंग नॉलेज' यानी कामचलाऊ भाषा का ज्ञान नहीं है।

आरोप मांग

गोवा सरकार ने पत्रकार तेजपाल की उम्रकैद की मांग की

गोवा । गोवा सरकार ने 2013 के यौन उत्पीड़न मामले में तहलका मैगजीन के पूर्व एडिटर-इन-चीफ तरुण तेजपाल की सजा बढ़ाने की मांग की। इसे लेकर राज्य सरकार ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। सरकार ने अपनी याचिका में कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए तेजपाल को उम्रकैद की सजा दी जानी चाहिए। बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा बेंच ने 6 अगस्त को तेजपाल को रेप केस में दोषी करार दिया था। कोर्ट ने उन्हें 10 साल की जेल की सजा सुनाई थी। इससे पहले मई 2021 में गोवा की ट्रायल कोर्ट ने सबूतों के अभाव में तेजपाल को बरी कर दिया था।

दिल्ली के टिकरी कलां में सीएनजी स्टेशन पर जोरदार धमाका

दिल्ली । टिकरी कलां में एक ट्रक में अचानक जोरदार धमाका हो गया। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है जबकि कई अन्य घायल हो गए हैं। घायलों को तुरंत पास के अस्पताल में ले जाया गया है। पुलिस घटना की जांच कर रही है। दिल्ली के टिकरी कलां में बुधवार को दोपहर के वक्त एक सीएनजी पंप पर जोरदार धमाका हो गया।

मैं लड़ाई में आदिवासी भाई बहनों के साथ :राहुल गांधी

केन-बेतवा लिंक प्रोजेक्ट के प्रभावितों से मिले

मुलाकात

तमसा संकेत, एजेंसी

छतरपुर । छतरपुर में केन-बेतवा लिंक प्रोजेक्ट के खिलाफ चल रहे आंदोलन के प्रमुख कार्यकर्ता अमित भटनागर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की।

इस दौरान उन्होंने प्रोजेक्ट से प्रभावित आदिवासी परिवारों की समस्याओं, विस्थापन, पुनर्वास और अधिकारों से जुड़े मुद्दों को राहुल गांधी के सामने रखा।

आंदोलन कारियों ने राहुल को बताया कि प्रभावित आदिवासी समुदाय लंबे समय से अपने अधिकारों और न्याय की मांग को

- संसद में मुद्दा उठाने का वादा किया राहुल गांधी ने दिया समर्थन

लेकर सत्याग्रह कर रहा है।

उन्होंने आंदोलन के दौरान सामने आई परेशानियों और प्रभावित परिवारों की मांगों की जानकारी भी राहुल को दी। राहुल ने बुधवार को इसका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

» (शेष पेज 06 पर)

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- बढ़ती उम्र का मतलब अपमान-असुरक्षा नहीं, हाईकोर्ट का फैसला पलटा

'बच्चों को प्रॉपर्टी से बेदखल कर सकते हैं माता-पिता'

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार कहा कि बुजुर्ग माता-पिता को अपने घर में सम्मान और सुरक्षा के साथ रहने का अधिकार है। अगर बेटे या बहू का घर में रहना बुजुर्ग के भरण-पोषण या सुरक्षा में बाधा बन रहा है, तो वह उन्हें अपने बच्चों को घर से बेदखल कर सकते हैं।' जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने कहा कि बढ़ती उम्र का मतलब अपमान या असुरक्षा के साथ रहना नहीं हैं। सभ्य समाज की पहचान इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों के साथ कितना सम्मान और सुरक्षा का व्यवहार करता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश लखनऊ के रवि कांत गुप्ता से जुड़े मामले में सुनाया।

» (शेष पेज 06 पर)

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट का फैसला पलटा

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को पलट दिया। कोर्ट ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए जरूरत पड़ने पर ट्रिब्यूनल बेदखली का आदेश दे सकता है।

बुजुर्गों की सुरक्षा और भलाई के लिए ट्रिब्यूनल बच्चों को संपत्ति से निकालने का आदेश दे सकता है। - सुप्रीम कोर्ट

लखनऊ के मकान से जुड़ा है मामला

रवि कांत गुप्ता लखनऊ के विकास नगर में रहते हैं। उनकी 81 साल की मां को घर छोड़कर वृद्धाश्रम में रहना पड़ा था। आरोप था कि उनके बेटे यानी गुप्ता के पोते ने उन्हें घर में रहने नहीं दिया। आरोप था कि उसके बेटे ने ऐसा व्यवहार किया कि उन्हें घर छोड़कर वृद्धाश्रम में रहना पड़ा। इसके बाद SDM ने 15 नवंबर 2022 को बेटे को मकान से निकालने का आदेश दिया। जिला मजिस्ट्रेट ने 9 अगस्त 2023 को इस आदेश को बरकरार रखा और बेटे-बहू को मकान खाली करने का आदेश दिया।

बेटे और बहू ने एसडीएम और जिला मजिस्ट्रेट के आदेश को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने कहा था कि माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007 के तहत ट्रिब्यूनल को वरिष्ठ नागरिक की संपत्ति से उसके बच्चों को बेदखल करने का अधिकार नहीं है। इसके बाद हाईकोर्ट ने दोनों आदेश रद्द कर दिए।

जांच : एसपी ने साफ की जांच की तस्वीर ■ एफएसएल रिपोर्ट का इंतजार

'जेवर मिले नहीं, मौत की वजह भी अनसुलझी'

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। मालीपुर थाना क्षेत्र के धवरुवा मजरे रूढ़ा गांव में आईपीएस अधिकारी आशुतोष मिश्र की मां इंद्रा देवी की संदिग्ध मौत और घर से जेवर गायब होने के मामले में पुलिस ने अब तक की जांच को लेकर तस्वीर साफ की है। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने स्पष्ट किया कि एफआईआर में दर्ज जेवर और अन्य सामान अभी बरामद नहीं हुए हैं। सोशल मीडिया पर इनके बरामद होने की प्रसारित खबर को उन्होंने गलत और भ्रामक बताया है। उधर, आशुतोष मिश्र ने भी गायब जेवर नहीं मिलने की बात कहते हुए जांच पर सवाल उठाए हैं।

मौत के कारण को लेकर भी पुलिस अभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है। एसपी ने बताया कि तीन डॉक्टरों के पैनल ने पोस्टमार्टम किया और पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हुआ। इसके बाद विसरा सुरक्षित कर एफएसएल भेजा गया है। हृदय को हिस्टोपैथोलॉजिकल जांच के लिए भी भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि इंद्रा देवी की मौत किन परिस्थितियों में हुई। आशुतोष मिश्र ने कहा है कि उनकी मां के गायब आभूषण उन्हें नहीं मिले हैं। उन्होंने कहा कि यदि आभूषण बरामद हुए हैं तो उन्हें परिवार को सौंपा जाना चाहिए। उन्होंने मामले की जांच विशेष टीम से कराने के लिए एडीजी जोन से आग्रह किया है, ताकि घटना का जल्द खुलासा हो और किसी निर्दोष के खिलाफ कार्रवाई न हो। प्राची सिंह ने कहा कि पुलिस निष्पक्ष और वैज्ञानिक तरीके से जांच कर रही है।

» (शेष पेज 06 पर)

एसपी ने बताया, क्या मिला और क्या नहीं

एसपी प्राची सिंह के मुताबिक घटनास्थल से तुलसी की माला और पीली धातु की कीलनुमा कुछ वस्तुएं मिली थीं। इन्हें परिवार को सौंप दिया गया है। लेकिन एफआईआर में दर्ज जेवर और अन्य सामान की बरामदगी अभी नहीं हुई है। इसलिए मौके से मिली वस्तुओं को चोरी गए जेवर की बरामदगी बताना सही नहीं है।

एसपी के अनुसार घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस की कई टीमें जांच में लगी हैं। लोगों से पूछताछ के साथ घटनास्थल और उपलब्ध साक्ष्यों की पड़ताल की जा रही है। जांच प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई जा रही है।

निर्णय : मोदी सरकार रोज एक यूनिवर्सिटी भेजेगी एक केंद्रीय मंत्री

छात्रों से संवाद और योजनाओं की जानकारी देंगे

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। मोदी सरकार युवाओं से जुड़ने के लिए रोज एक यूनिवर्सिटी में एक केंद्रीय मंत्री भेजने की योजना बना रही है। मंत्री छात्रों से उनकी चिंताओं पर बात करेंगे और देश से जुड़े मुद्दों पर उनका नजरिया समझेंगे।

'वन डे, वन यूनिवर्सिटी' कार्यक्रम के तहत मंत्री तय यूनिवर्सिटी में जाकर छात्रों से अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा करेंगे। वे छात्रों की राय सुनेंगे और खासकर युवाओं व छात्रों के लिए चल रही सरकारी योजनाओं की जानकारी देंगे। न्यूज एजेंसी PTI के सूत्रों के मुताबिक, इसके जरिए जेन Z से सीधे जुड़ना है। सूत्रों के मुताबिक, शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी और युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया को यूनिवर्सिटी और दौरे पर जाने वाले मंत्रियों के साथ तालमेल की जिम्मेदारी दी गई है।

- 20 जुलाई की पुलिस कार्रवाई के बाद विरोध बढ़ा
- पीएम ने सोशल मीडिया पर कई वीडियो जारी किए

» (शेष पेज 06 पर)

2.80 लाख लेकर लौट रहे थे, रास्ते में अफसरों ने दबोचा, सस्पेंड भी हुए, चारों के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश

अयोध्या से 800 किलोमीटर दूर रिश्वत लेने पहुंचे दरोगा 3 सिपाही

शिकंजा

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या में साइबर पुलिस में तैनात दरोगा और तीन सिपाही रिश्वत लेने 800 किमी दूर राजस्थान के सीकर पहुंच गए। लेकिन इसकी भनक एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) को लग गई। ACB टीम ने रास्ते में चारों पुलिसकर्मियों को दबोच लिया। उनके पास से 2.80 लाख रुपए बरामद हुए हैं।

ACB ने चारों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जानकारी मिलने पर अयोध्या SSP डॉ. गौरव ग्रोवर ने मंगलवार देर शाम आरोपी दरोगा यशवंत सिंह, कॉन्स्टेबल पवन कुमार त्रिपाठी, सोहन लाल और गौरव चारग का सस्पेंड कर दिया। चारों के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। अयोध्या के साइबर पुलिस थाने में राजस्थान के सीकर के युवक के खिलाफ 2024 में साइबर ठगी का मामला दर्ज था। केस से युवक का नाम हटाने के लिए दरोगा यशवंत सिंह और उनके तीन कॉन्स्टेबल ने 8 लाख रुपए मांगे थे। 4 लाख रुपए वसूल भी लिए थे। बची रकम के लिए युवक ने पुलिसकर्मियों को सीकर बुलाया। इस बीच उसने एंटी करप्शन ब्यूरो से शिकायत कर दी। शिकायत मिलने के बाद ACB ने रिश्वत की मांग का सत्यापन कराया। सत्यापन के दौरान कॉन्स्टेबल गौरव चारग ने पीड़ित युवक से 4 लाख रुपए की रिश्वत मांगी। बातचीत के बाद सौदा 2.80 लाख रुपए में तय हुआ।

एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव और पुलिस महानिरीक्षक एस. परिमला के सुपरविजन में आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। एसीबी ने मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच शुरू करने की बात कही है।

चारों आरोपियों को ACB ने गिरफ्तार कर लिया।

एसीबी टीम की गाड़ी को टक्कर मारी

दरोगा यशवंत सिंह साथी कॉन्स्टेबल गौरव, सोहन और पवन त्रिपाठी के साथ राजस्थान पहुंच गए। मंगलवार दोपहर आरोपियों ने घूस की रकम ली और अयोध्या लौट रहे थे।

पीड़ित ने ACB टीम को सूचना दी कि पुलिसवाले रिश्वत लेकर निकल गए हैं। इसके बाद टीम ने सीकर-बीकानेर नेशनल हाईवे पर रसीदपुरा टोल पर आरोपियों को रोक लिया। कार्रवाई के दौरान आरोपियों ने अपनी कार से ACB टीम की गाड़ी को टक्कर मारकर भागने की भी कोशिश की। हालांकि ACB टीम ने चारों को पकड़ लिया।

सीकर ACB के ASP विजय सिंह ने बताया- तीनों आरोपी शिकायतकर्ता युवक से रिश्वत लेने 3 दिन पहले 16 अगस्त सीकर आए थे। सूचना पर सीकर ACB टीम ने पहले से जाल बिछा रखा था। सीकर-बीकानेर नेशनल हाईवे पर रसीदपुरा टोल पर आरोपियों को गाड़ी को रोका। इसके बाद चेकिंग के दौरान उनके पास से रिश्वत के 2.80 लाख रुपए मिले। पूछताछ में तीनों आरोपी रकम के बारे में बता नहीं पाए।

हाईकोर्ट की फटकार बाद जलभराव का निरीक्षण

डीएम और नगर आयुक्त ने किया प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । प्रयागराज में रविवार से हो रही लगातार बारिश के कारण शहर के कई इलाके जलमग्न हो गए हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट की कड़ी फटकार के बाद प्रयागराज के डीएम मनीष कुमार वर्मा और नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा ने कमिश्नर प्रयागराज के साथ जलभराव वाले क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों के साथ मिलकर हालातों का जायजा लिया।

डीएम ने निरीक्षण के बाद बताया कि नगर निगम द्वारा पंपिंग सेट लगाकर पानी को खाली कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बारिश के चलते जॉर्ज टाउन, टैगोर टाउन, अल्लापुर और करेली जैसे निचले स्तर पर बसे मोहल्लों में जलभराव हो गया है। डीएम के मुताबिक, नगर निगम के साथ-साथ जल निगम और गंगा प्रदूषण की टीमें भी पानी निकासी के काम में लगी हुई हैं। उन्होंने दावा किया कि कई मोहल्लों से पानी निकाला जा चुका है और जल्द ही सभी मोहल्लों से पानी निकाल लिया जाएगा। डीएम ने इस जलभराव का कारण भारी बारिश और इन मोहल्लों की चोक ड्रेन को बताया। बाढ़ की स्थिति पर डीएम ने बताया कि गंगा और यमुना दोनों नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, लेकिन वे अभी खतरे के निशान से नीचे बह रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि फिलहाल बाढ़ की स्थिति नहीं है। डीएम ने कहा कि बाढ़ आने पर राजापुर, छोटा बघाड़ा, अशोक नगर नेवादा जैसे कई इलाके प्रभावित होते हैं।

फास्ट न्यूज

कानपुर में कुर्सी के लिए भिड़े भाजपा कार्यकर्ता

कानपुर। कानपुर में बुधवार को भाजपा के नए क्षेत्रीय प्रभारी शंकर लाल लोधी के स्वागत के दौरान कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। क्षेत्रीय कार्यालय में कुर्सी न मिलने से भड़के कार्यकर्ता एक-दूसरे से धक्का-मुक्की करने लगे। इससे वहां अफरा-तफरी मच गई। किसी तरह कार्यकर्ताओं को समझाकर मामला शांत किया गया। हंगामा करने वालों को वहां से बाहर किया गया।

गोरखपुर मुठभेड़ में 15 हजार का इनामी गिरफ्तार

गोरखपुर । गोरखपुर के खजनी थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात 3:20 बजे 15 हजार के इनामी बदमाश को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लगी है।

जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हत्या, लूट समेत 19 मुकदमे बदमाश के खिलाफ अलग-अलग थानों में दर्ज हैं। रंगदारी के मामले में वह काफी दिनों से फरार चल रहा था। बदमाश की पहचना खजनी के भीटी खोरिया के जितेंद्र पासवान उर्फ लादेन के रूप में हुई।

एसएन में 2 करोड़ की मशीन किसी काम की नहीं

आगरा । आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज में करीब 2 करोड़ रुपए की हार्ट एंड लंग मशीन पिछले तीन महीने से बंद पड़ी है। मशीन चलाने के लिए जरूरी परफ्यूजनिस्ट और तकनीकी स्टाफ उपलब्ध न होने के कारण बाईपास सर्जरी की सुविधा पूरी तरह ठप हो गई है। इसका असर हृदय रोगियों पर पड़ रहा है, जिन्हें अब मजबूरी में निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है।

सरकार को बताया शिक्षा शिक्षक और शिक्षार्थी विरोधी

अखिलेश यादव का भाजपा पर हमला

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर शिक्षा व्यवस्था, शिक्षकों और विद्यार्थियों के हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। 19 अगस्त को जारी बयान में उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियां शिक्षा, शिक्षक और शिक्षार्थी विरोधी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि स्कूल बंद करवाने वाले लोगों और यूनिवर्सिटी बनाने वालों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी की जा रही है।

अखिलेश यादव ने कहा कि ईडी की कार्रवाई के जरिए भाजपा अपने बचे हुए साम्प्रदायिक और संकीर्ण सोच वाले समर्थकों को संतुष्ट करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जिन लोगों पर गंभीर भ्रष्टाचार और आपराधिक मामलों में संलिप्त होने के आरोप हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है। सपा प्रमुख ने भाजपा सरकार के कार्यकाल में बने बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे और कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे का जिक्र करते हुए इनके निर्माण और मौजूदा स्थिति को लेकर सरकार पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जगह-जगह सड़कें खराब हैं, पुल गिर रहे हैं और पानी की टंकियां ढह रही हैं। उन्होंने सरकारी इमारतों की स्थिति का जिक्र करते हुए स्टेशन की दीवारों और टपकती छतों को लेकर भी सरकार को घेरा।

ट्रैक्टर से पार कराईं गाड़ियां, प्रयागराज में 3 दिन से बारिश, गोंडा में सूखे भूसे के लिए लड़े किसान

हाईवे पर बह रही गंगा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज। यूपी में मानसूनी बारिश से नदियां उफान पर हैं। बिजनौर में स्टेट हाईवे पर गंगा नदी का पानी बह रहा है। सड़क के कुछ हिस्सों में 2 फीट तक पानी भर गया है, जिससे लोग अपनी कार और बाइक को ट्रैक्टर-ट्रॉली की मदद से पार करा रहे हैं।

वाराणसी में घाटों के किनारे बने 100 से ज्यादा मंदिरों में गंगा का पानी घुस गया है। मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट के शवदाह स्थल जलमग्न हो गए हैं। नमो घाट की सीढ़ियां डूब गई हैं। दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती अब छत पर कराई जा रही है।

गोंडा में घाघरा नदी उफना गई हैं। 5 गांवों बाढ़ की चपेट में हैं। मवेशियों के लिए पहुंचाए गए सूखे भूसे को लेने के लिए लोगों में लूट

मच गई। हालात संभालने के लिए पुलिस बुलानी पड़ी। फिर पुलिस की मौजूदगी में भूसा बांटा गया।

प्रयागराज में पिछले 3 दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। करेली इलाके में लोगों के घरों के भीतर कमर तक पानी भर गया है, जिससे सोफा, बेड और अन्य सामान डूब चुके हैं। लोग घरों की पहली मंजिल पर रहने को मजबूर हैं। बुधवार सुबह लखनऊ और बाराबंकी समेत 10 शहरों में हल्की बूंदाबांदी हुई। आगरा, वाराणसी और कानपुर समेत 40 से ज्यादा शहरों में बादल छाए रहे। हालांकि, दिन चढ़ने के साथ धूप निकल आई।

लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार-हवा में कम दबाव का क्षेत्र बनने, मानसून ट्रफ रेखा के उत्तर की ओर खिसकने और बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी के कारण मानसून सक्रिय हो गया है। 23 अगस्त तक मानसूनी गतिविधियों में तेजी बरकरार रहेगी। बंगाल की खाड़ी में बन रहे कम दबाव के सिस्टम के असर से बारिश का दौर जारी रहेगा। 20 और 21 अगस्त को भारी बारिश होने के आसार हैं।

मौसम विभाग ने आज प्रदेश के सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। प्रयागराज, गोंडा, कौशांबी, गाजीपुर और भदोही में 12वीं तक के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई। जौनपुर, सोनभद्र और मिर्जापुर में 8वीं तक के स्कूल बंद हैं।

जौनपुर में बारिश से पुराना मकान ढहा जर्जर भवन में नहीं रहता था कोई

जौनपुर के नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के सिपाह मोहल्ले के चाचापुर में मंगलवार देर रात भारी बारिश के दौरान पुराना मकान भरभराकर ढह गया। मकान महेश मौर्या का बताया जा रहा है। गनीमत रही कि मकान लंबे समय से जर्जर था और उसमें कोई नहीं रहता था, इसलिए हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। मकान गिरने की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। घटना के बाद क्षेत्र में कुछ देर अफरा-तफरी का माहौल रहा।

गोरखपुर में सपा की पीडीए पंचायत

नेता बोले- अभी से जुट जाएं कार्यकर्ता, 2027 में अखिलेश को सीएम बनाने का संकल्प

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर के समाजवादी पार्टी ने पार्टी कार्यालय पर पीडीए पंचायत के तहत कार्यकर्ताओं से आपसी संवाद किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष शब्बीर कुरैशी ने किया। कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य संजय विद्यार्थी सविता मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य PDA से जुड़े लोगों तक अपना एजेंडा बताना था।

कार्यक्रम के अंत में सभी सपा के कार्यकर्ताओं ने 2027 में अखिलेश यादव को सीएम बनाने का संकल्प लिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से समाज के लोगों के

बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को समझने और पार्टी की नीतियों से लोगों को जोड़ने की अपील की। कार्यक्रम में मौजूद सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने आगामी विधानसभा चुनाव 2027 में पीडीए की समाजवादी सरकार बनाने का संकल्प लिया। इसके साथ ही समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को दोबारा उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने के लिए पूरी ताकत से काम करने की बात कही गई। मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं और स्वजनों से आपसी संवाद किया गया। इस दौरान वर्तमान सरकार की नीतियों, जनसमस्याओं और सरकार की कमियों पर चर्चा की गई। नेताओं ने कहा कि पीडीए समाज के लोगों को अपने अधिकारों और हितों के लिए एकजुट होकर आगे आने की जरूरत है।

सविता समाज समेत पीडीए समाज को एकजुट होने की अपील

संजय विद्यार्थी सविता ने कहा कि सविता समाज सहित पीडीए समाज के सभी लोग एकजुट होकर समाजवादी पार्टी को मजबूत करने में जुट जाएं। उन्होंने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव 2027 को देखते हुए कार्यकर्ताओं को अभी से संगठन को मजबूत करने और जनता के बीच जाकर संवाद करने की जरूरत है।

बुलंदशहर में खेत पर करंट से किसान दंपती की मौत

पत्नी खाना लेकर पहुंची तो पति खेत में पड़ा मिला

तमसा संकेत, एजेंसी

सिकंदराबाद । बुलंदशहर में खेत की फेंसिंग में उतरे करंट से किसान दंपती की मौत हो गई। किसान खेत पर लौकी तोड़ने के दौरान करंट की चपेट में आया था। बुधवार दोपहर करीब 2.30 बजे पत्नी ने किसान पति को खेत में पड़ा देखा, तो उसे उठाने की कोशिश में वह भी करंट की चपेट में आ गई। वह पति के ऊपर ही जा गिरी। उसने भी दम तोड़ दिया। इसके बाद पास के खेत का किसान दोनों दंपती को मृत पाया। उसने तत्काल परिजनों को सूचना दी। इसके परिजन के साथ ग्रामीण भी पहुंच गए। इसके बाद किसान की पत्ती को निजी अस्पताल लाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना मुख्यालय से 25 किलोमीटर दूर सिकंदराबाद कोतवाली क्षेत्र के शेरपुर गांव में हुई है। पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शेरपुर गांव निवासी भगवान सिंह उर्फ लाला (57) बुधवार सुबह 11 बजे खेत पर लौकी तोड़ने के लिए निकल थे। वह अपने खेत के चारों तरफ बेसहारा पशुओं से फसल को बचाने के लिए नंगे तारों की फेंसिंग कराए हैं। काम के दौरान ही भगवान सिंह फेंसिंग के तार से करंट की चपेट में आ गए। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दोपहर करीब 2.30 बजे पत्नी धर्मवती (50) खाना लेकर पहुंची, तो पति को खेत में पड़ा देखा

जुर्माना : 4 तरह की मिठाइयां बेच रहा था, रकम 15 दिन के अंदर प्राधिकरण में जमा करनी होगी

राम मंदिर प्रसाद बेचने पर अमेजन पर एक लाख जुर्माना

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या । अयोध्या राम मंदिर प्रसाद के नाम पर मिठाई बेचने के लिए ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अमेजन सेलर सर्विस प्राइवेट लिमिटेड पर बड़ा एक्शन हुआ है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने 1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। यह रकम 15 दिन के अंदर प्राधिकरण में जमा करनी होगी।

अमेजन पर 'श्री राम मंदिर अयोध्या प्रसाद' के नाम से घी के लड्डू, खोया के लड्डू, बूंदी के लड्डू और गाय के दूध के पेड़े बेचे जा रहे थे। इनकी लिस्टिंग में इन्हें राम मंदिर का प्रसाद बताया गया था। अमेजन ने इसके लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से कोई अनुमति नहीं ली

थी। बार एंड बेंच के अनुसार, CCPA की चीफ कमिश्नर निधि खरे और कमिश्नर अनुपम मिश्रा ने 4 अगस्त को ठगी मानते हुए कार्रवाई की थी। प्राधिकरण ने यह भी कहा कि किसी सामान्य मिठाई को राम मंदिर के प्रसाद के रूप में बेचे जाने से करोड़ों भक्तों की धार्मिक भावनाएं आहत हो सकती हैं। CCPA के मुताबिक, ये प्रोडक्ट 22 जनवरी 2024 की राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से कुछ समय पहले लिस्ट किए गए थे। मामले में 19 जनवरी को शो-कॉज नोटिस मिलने के बाद अमेजन ने इन लिस्टिंग को हटा दिया था। यह शिकायत कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) ने जनवरी 2024 में की थी। अमेजन ने अपने बचाव में कहा, वह केवल एक ऑनलाइन मार्केटप्लेस है और प्रोडक्ट की लिस्टिंग, कीमत तय करने, डिटेल देने या बिक्री में उसकी सीधे तौर पर कोई भूमिका नहीं थी।

प्रोडक्ट की लिस्टिंग में धार्मिक चिह्नों का इस्तेमाल किया

ये मामला पहली बार जनवरी, 2024 में सामने आया था। चंदू ट्रेडिंग कंपनी ने 'बिहार ब्रदर्स' ब्रांड के नाम से अमेजन पर 4 तरह की मिठाइयां लिस्ट की थीं। इनमें घी के लड्डू, खोया लड्डू, बूंदी लड्डू और गाय के दूध से बने पेड़े शामिल थे।इन प्रोडक्ट्स की लिस्टिंग में धार्मिक तस्वीरों का इस्तेमाल किया गया था। साथ ही दावा किया गया था कि इन मिठाइयों पर 'श्री राम जन्मभूमि मंदिर, अयोध्या का आशीर्वाद' है। सामग्री वाले कॉलम में इन्हें 'राम मंदिर प्रसाद' बताया गया था।

परिजनों का हंगामा, बोले- पहले कहा बेटा हुआ, अब बता रहे बेटी

कबीरचौरा अस्पताल में बच्चा बदलने का आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी के कबीरचौरा अस्पताल में 100 बेड के MCH विंग में डॉक्टर्स और कर्मचारियों पर बच्चा बदलने का आरोप लगाया गया है। परिजनों के अनुसार पहले डॉक्टर्स ने बताया कि लड़का हुआ है और कागज में भी लड़का लिखा, लेकिन अब कह रहे लड़की हुई है।

न लड़का ना लड़की अभी कुछ हमें दिया भी नहीं गया है। इस पर परिजनों ने आज हंगामा भी किया। लेकिन उसके बाद भी बच्चा नहीं दिया गया है। फिलहाल इस संबंध में अभी तक अस्पताल प्रशासन ने कोई बयान नहीं जारी किया है। इस अस्पताल का संचालन हेरिटेज मेडिकल कालेज पीपी मॉडल पर कर रहा है। प्रहलाद घाट के रहने

वाले आकाश साहनी ने बताया - मेरे मामा का लड़के सूरज सहानी प्रयागराज का रहने वाला है। इस समय वाराणसी में ही रहता है। 17 अगस्त को उनकी पत्नी सोनी जो गर्भवती थीं, उन्हें डिलेवरी के लिए कबीरचौरा अस्पताल के MCH विंग में भर्ती कराया गया। जहां उन्हें उसी दिन बच्चा हुआ।

बच्चा हमें दिया नहीं गया और दूर से दिखाया गया। बताया गया की बच्चे की तबियत खराब है और वह NICU में है। जब मेरे मामा का लड़का देखना गया, तो उसने डॉक्टर से पूछा की क्या हुआ है तो बताया कि लड़का हुआ है।

आकाश ने बताया - मंगलवार रात मेरे मामा के लड़के ने बताया कि वो लोग कह रहे हैं कि लड़का नहीं लड़की हुई है। इसपर मैं बुधवार को अस्पताल पहुंचा तो यहां सभी रो रहे थे। आकाश ने आरोप लगाया कि पूरे डॉक्यूमेंट जो यहां थे जिसपर मेल लिखा था, उसे भी पेन से चेंज कर दिया गया है। हम इंसाफ चाहते हैं, और हमें हमारा लड़का चाहिए।

बिजली, जलभराव और जर्जर भवनों पर डीएम सख्त, कस्तूरबा विद्यालयों में तीन दिन में विशेष सफाई अभियान

स्कूलों की बदहाली पर अब चलेगा प्रशासन का डंडा

निर्देश

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। परिषदीय और कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों की व्यवस्थाओं में अब लापरवाही भारी पड़ेगी। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने जिले के विद्यालयों की ब्लॉकवार समीक्षा की तो बिजली, सफाई, जलभराव और जर्जर भवनों से जुड़े मामलों को प्राथमिकता से दूर कराने के निर्देश दिए। बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जर्जर भवनों को चिन्हित कर वहां प्रवेश रोकने के स्पष्ट निर्देश दिए गए।

विद्यालय परिसर में जलभराव को लेकर भी प्रशासन ने जिम्मेदारी तय की है। डीएम ने कहा कि किसी भी विद्यालय परिसर में जलभराव नहीं होना चाहिए। जहां ऐसी स्थिति सामने आए, वहां संबंधित खंड विकास अधिकारी तत्काल जल निकासी की व्यवस्था कराएं। साथ ही विद्यालयों में नियमित सफाई और कायाकल्प योजना के निर्धारित मानकों को पूरा रखने के निर्देश दिए गए। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों की व्यवस्था सुधारने के लिए अगले तीन दिनों में विशेष सफाई अभियान चलेगा। डीएम ने जिला पंचायत राज अधिकारी को सभी कस्तूरबा विद्यालयों में सफाई कर्मचारियों की टीमें भेजने के निर्देश दिए। परिसर और आसपास सफाई कराने के साथ बड़े डस्टबिन लगवाने तथा नियमित कूड़ा उठान की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। डीएम ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को कस्तूरबा विद्यालयों का नियमित भ्रमण करने को कहा। निरीक्षण में केवल पढ़ाई ही नहीं, बल्कि विद्यालय की आधारभूत सुविधाओं की स्थिति भी देखी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि विद्यालयों में बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण के साथ आवश्यक सुविधाएं भी व्यवस्थित और क्रियाशील मिलनी चाहिए।

डीएम ईशा प्रिया ने कहा कि विद्यालयों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ सुरक्षित और व्यवस्थित वातावरण देना प्रशासन की प्राथमिकता है।

बिजली गुल मिली तो तत्काल होगी कार्रवाई

समीक्षा में विद्यालयों की विद्युत व्यवस्था को लेकर डीएम ने अधीक्षण अभियंता विद्युत और संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए। जिन विद्यालयों में किसी कारण से बिजली आपूर्ति बाधित है, वहां तत्काल कार्रवाई कर आपूर्ति बहाल कराई जाएगी। विद्यालयों में बिजली की व्यवस्था केवल कागजों तक सीमित न रहे, इसके लिए संबंधित अधिकारी समस्या का मौके पर समाधान सुनिश्चित करेंगे।

बैठक में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति छात्रावासों की व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को नियमित निरीक्षण कर आवासीय व्यवस्था, स्वच्छता, बिजली और पेयजल समेत अन्य जरूरी सुविधाओं को सुचारु रखने के निर्देश दिए गए।

जर्जर भवनों पर लिखना होगा 'प्रवेश निषेध'

विद्यालय परिसरों में मौजूद जर्जर भवनों को लेकर डीएम ने विशेष निर्देश जारी किए। ऐसे भवनों पर साफ शब्दों में "प्रवेश निषेध, भवन जर्जर है" लिखवाया जाएगा। उद्देश्य स्पष्ट है कि बच्चे और शिक्षक अनजाने में भी जोखिम वाले भवन में प्रवेश न करें। डीएम ने अधिकारियों को सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरतने को कहा।

मिशन-2027 से पहले भाजपा के सामने संगठन और सियासी समीकरण की चुनौती

कई चेहरे और प्रयोग बदले, फिर भी पांचों सीटों पर मजबूत जनाधार बनाने में पार्टी रही नाकाम

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच भारतीय जनता पार्टी के सामने अंबेडकरनगर में सबसे बड़ी चुनौती संगठन को मजबूत करने के साथ स्थानीय सियासी समीकरणों को साधने की है। जिले की पांचों विधानसभा सीटों पर मजबूत वापसी के लिए पार्टी लगातार संगठन में बदलाव और नए सामाजिक समीकरणों पर काम कर रही है। हाल ही में दिलीप पटेल देव को जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपे जाने के बाद एक बार फिर पार्टी की रणनीति को लेकर चर्चा तेज है।

अंबेडकरनगर की राजनीति में जातीय समीकरण हमेशा से महत्वपूर्ण रहे हैं। ऐसे में भाजपा के सामने केवल संगठन खड़ा करने की चुनौती नहीं, बल्कि हर विधानसभा क्षेत्र के अलग-अलग सामाजिक समीकरणों के अनुरूप प्रभावी नेतृत्व तैयार करने की भी जरूरत है।

वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी की लहर के बीच हरिओम पांडे ने अंबेडकरनगर लोकसभा सीट पर भाजपा को जीत दिलाई। इसके बाद वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में भी पार्टी ने वापसी की। आलापुर से अनीता कमल और टांडा से संजू देवी गुप्ता ने जीत दर्ज कर भाजपा के खाते में दो सीटें पहुंचाईं। लेकिन यह प्रदर्शन स्थायी राजनीतिक आधार में तब्दील नहीं हो सका। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में जिले की पांचों सीटों पर भाजपा को हार का सामना करना पड़ा।

राम मंदिर आंदोलन के दौर में मिली थी पहली बड़ी सफलता

अंबेडकरनगर के गठन से पहले यह क्षेत्र अयोध्या जिले का हिस्सा था। राम मंदिर आंदोलन के दौर में जहांगीर-गंज और कटेहरी विधानसभा सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज कर अपनी मौजूदगी मजबूत की थी। त्रिवेणी राम और अनिल तिवारी की जीत के बाद पार्टी ने जिले की राजनीति में अपनी जगह बनाई। 29 सितंबर 1995 को अंबेडकरनगर जिला अस्तित्व में आया। इसके बाद भाजपा को लगातार ऐसे चुनावी नतीजों का इंतजार रहा, जो जिले में उसके स्थायी आधार का संकेत दे सकें।

फास्ट न्यूज

लंदन में अंबेडकरनगर के बजरंग बली चौबे बने मुख्य अतिथि

अंबेडकरनगर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लंदन में आयोजित 'नमस्ते भारत' पत्रिका के कार्यक्रम में अंबेड-करनगर के वरिष्ठ समाजसेवी बजरंग बली चौबे मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम में भारत, ब्रिटेन, बेल्जियम और अमेरिका से करीब 250 लोग शामिल हुए। भारत से करीब 80 लोगों ने लंदन पहुंचकर आयोजन में भाग लिया।

घर में सोता रहा परिवार, छत के रास्ते घुसे चोर

अंबेडकरनगर। जैतपुर थाना क्षेत्र के गोबरी चांदपुर के सिंघी पुरवा में मंगलवार रात चोरों ने घर में घुसकर लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण पार कर दिए। वारदात के समय परिवार के सदस्य घर में सो रहे थे। सुबह कमरे का सामान बिखरा मिलने और अलमारी का ताला टूटा देखकर चोरी की जानकारी हुई। सिंघी पुरवा निवासी दिनेश कुमार मिश्रा के घर को चोरों ने निशाना बनाया। बताया गया कि चोर पीछे की ओर से छत पर चढ़कर घर में दाखिल हुए। इसके बाद कमरे का दरवाजा तोड़ा और अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे सोने-चांदी के आभूषण निकाल ले गए।

साइबर ठगी के 7000 रुपये वापस कराए

अंबेडकरनगर। टांडा कोतवाली की साइबर टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी के शिकार अनुपम जायसवाल के 7,000 रुपये वापस करा दिए। रकम खाते में पहुंचने पर पीड़ित ने पुलिस के प्रति आभार जताया। हनुमा-नगढ़ी, हयातगंज निवासी अनुपम जायसवाल के साथ 15 अगस्त को 7,000 रुपये की ऑनलाइन ठगी हुई थी। उन्होंने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी।

फर्जी एप ने खोला कारोबारी का डेटा धमकी देकर तीन बार में ठगे छह लाख

मोबाइल पर आए मैसेज के झांसे में डाउनलोड किया एप

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। मोबाइल पर आए एक फर्जी मैसेज के जरिए एप डाउनलोड करना जलालपुर क्षेत्र के एक कारोबारी को भारी पड़ गया। एप में मांगी गई जानकारी भरते ही साइबर ठगों ने उसका डाटा हासिल कर लिया। इसके बाद ऑनलाइन नुकसान पहुंचाने की धमकी देकर तीन बार में दो-दो लाख रुपये, कुल छह लाख रुपये वसूल लिए। ठगी का एहसास होने पर पीड़ित ने साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई।

जलालपुर के श्यामपुर निवासी प्रदीप कुमार दिल्ली में रहकर कारोबार करते हैं। कुछ दिन पहले खाली समय में मोबाइल चलाते समय उनके पास एक मैसेज आया। इसके झांसे में आकर उन्होंने संबंधित एप डाउनलोड कर लिया। एप में मांगी गई जानकारी भी भर दी। इसके बाद ठगों ने इसी जानकारी का इस्तेमाल कर उन्हें धमकाना शुरू कर दिया। ठगों ने ऑनलाइन नुकसान पहुंचाने की बात कहकर रुपये देने का दबाव बनाया। उनके दबाव में आकर प्रदीप ने तीन अलग-अलग बार दो-दो लाख रुपये दिए। कुल छह लाख रुपये देने के बाद उन्हें ठगी का एहसास हुआ। इसके बाद उन्होंने तत्काल 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर लखनऊ में अपराध संख्या शून्य पर एफआईआर दर्ज की गई। मामला अंबेडकरनगर से संबंधित होने के कारण विवेचना के लिए साइबर थाना स्थानांतरित कर दी गई है। साइबर थाना प्रभारी रंधा सिंह यादव ने बताया कि मामले की विवेचना शुरू कर दी गई है।

हर माह तीन तारीख को होगी पीटीएम अभिभावकों की सहभागिता अनिवार्य

पढ़ाई, उपस्थिति और बच्चों की स्वच्छता पर होगी चर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले के सभी प्राथमिक विद्यालयों में अब हर माह की तीन तारीख को पेरेंट्स-टीचर मीटिंग (पीटीएम) होगी। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. पूनम मिश्रा ने सभी प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों को बैठक अनिवार्य रूप से आयोजित कराने के निर्देश दिए हैं।

पीटीएम में बच्चों की शैक्षिक प्रगति और रिपोर्ट कार्ड की समीक्षा होगी। साथ ही उनकी नियमित और शत-प्रतिशत उपस्थिति को लेकर अभिभावकों से चर्चा की जाएगी। बच्चों की पढ़ाई में आ रही समस्याओं और उनके सीखने के स्तर पर भी शिक्षक अभिभावकों से संवाद करेंगे।

बैठक में निर्धारित स्कूल ड्रेस के पालन की स्थिति देखी जाएगी। शिक्षा की गुणवत्ता और बच्चों के सीखने की क्षमता पर भी चर्चा होगी। शिक्षकों को अभिभावकों के साथ बेहतर समन्वय बनाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि बच्चों की पढ़ाई से जुड़ी समस्याओं का समय पर पता लगाया जा सके।

पीटीएम में बच्चों की व्यक्तिगत स्वच्छता को भी प्रमुखता दी जाएगी। अभिभावकों को बच्चों को साफ-सुथरा रखकर विद्यालय भेजने के लिए जागरूक किया जाएगा। विद्यालय की स्वच्छता बनाए रखने में अभिभावकों की भूमिका पर भी चर्चा होगी।

बीएसए ने कहा कि बच्चों की पढ़ाई में विद्यालय के साथ अभिभावकों की भागीदारी भी जरूरी है। पीटीएम के माध्यम से दोनों के बीच नियमित संवाद कायम करने का प्रयास किया जाएगा। बीएसए ने सभी विद्यालयों में पीटीएम में अधिक से अधिक अभिभावकों की सहभागिता सुनिश्चित करने को कहा है। बैठक में निर्धारित सभी बिंदुओं पर प्रभावी चर्चा करने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि पीटीएम का उद्देश्य केवल रिपोर्ट कार्ड बताना नहीं, बल्कि बच्चे की पढ़ाई, उपस्थिति, व्यवहार और स्वच्छता से जुड़े पहलुओं पर विद्यालय और परिवार के बीच बेहतर तालमेल बनाना है। आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है।

होमस्टे के 32 आवेदनों की हुई समीक्षा सत्यापन में पारदर्शिता पर जोर

शहरी क्षेत्र से 22 और ग्रामीण क्षेत्र से मिले 10 आवेदन

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। उत्तर प्रदेश बेड एंड ब्रेकफास्ट एवं होमस्टे नीति-2025 के तहत जिले में होमस्टे इकाइयों के पंजीकरण की प्रक्रिया चल रही है। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक हुई। इसमें पंजीकरण के लिए मिले आवेदनों और उनके सत्यापन की स्थिति की समीक्षा की गई।

बैठक में प्रभारी जिला पर्यटन अधिकारी ने समिति के सामने प्राप्त आवेदनों का विवरण रखा। बताया गया कि जिले में अब तक होमस्टे पंजीकरण के लिए कुल 32 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें 22 आवेदन शहरी क्षेत्र और 10 आवेदन ग्रामीण क्षेत्र से संबंधित हैं।

जिलाधिकारी ने आवेदनों की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक आवेदन का निर्धारित मानकों के अनुसार स्थलीय और अभिलेखीय सत्यापन कराया जाए। पंजीकरण प्रक्रिया में पारदर्शिता के साथ नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा।

उन्होंने कहा कि होमस्टे इकाइयों के विस्तार से जिले में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही बाहर से आने वाले पर्यटकों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। समीक्षा के दौरान अशरफपुर किछौछा क्षेत्र से संबंधित एक आवेदन में कुछ कमियां सामने आईं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को आवेदन का दोबारा सत्यापन कराने के निर्देश दिए।

सोशल मीडिया पर बरामदगी की खबर को पुलिस ने बताया भ्रामक, एफएसएल रिपोर्ट का इंतजार

आईपीएस आशुतोष मिश्र की मां की मौत का मामला

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। मालीपुर थाना क्षेत्र के धवरुवा मजरे रूढ़ा गांव में आईपीएस अधिकारी आशुतोष मिश्र की मां इंद्रा देवी की संदिग्ध मौत और घर से जेवर गायब होने के मामले में पुलिस ने अब तक की जांच को लेकर तस्वीर साफ की है। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने स्पष्ट किया कि एफआईआर में दर्ज जेवर और अन्य सामान अभी बरामद नहीं हुए हैं। सोशल मीडिया पर इनके बरामद होने की प्रसारित खबर को उन्होंने गलत और भ्रामक बताया है। उधर, आशुतोष मिश्र ने भी गायब जेवर नहीं मिलने की बात कहते हुए जांच पर सवाल उठाए हैं। एसपी के अनुसार घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस की कई टीमें जांच में लगी हैं। लोगों से पूछताछ के साथ घटनास्थल और उपलब्ध साक्ष्यों की पड़ताल की जा रही है। जांच प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई जा रही है।

आशुतोष मिश्र की मांग विशेष टीम से हो जांच

आशुतोष मिश्र ने कहा है कि उनकी मां के गायब आभूषण उन्हें नहीं मिले हैं। उन्होंने कहा कि यदि आभूषण बरामद हुए हैं तो उन्हें परिवार को सौंपा जाना चाहिए। उन्होंने मामले की जांच विशेष टीम से कराने के लिए एडीजी जोन से आग्रह किया है, ताकि घटना का जल्द खुलासा हो और किसी निर्दोष के खिलाफ कार्रवाई न हो।

मौत की वजह पर भी अंतिम निष्कर्ष नहीं

मौत के कारण को लेकर भी पुलिस अभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है। एसपी ने बताया कि तीन डॉक्टरों के पैनल ने पोस्टमार्टम किया और पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हुआ। इसके बाद विसरा सुरक्षित कर एफएसएल भेजा गया है। हृदय को हिस्टोपैथोलॉजिकल जांच के लिए भी भेजा गया है।

रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि इंद्रा देवी की मौत किन परिस्थितियों में हुई।

> **"एसपी प्राची सिंह के मुताबिक घटनास्थल से तुलसी की माला और पीली धातु की कीलनुमा कुछ वस्तुएं मिली थीं। इन्हें परिवार को सौंप दिया गया है। लेकिन एफआईआर में दर्ज जेवर और अन्य सामान की बरामदगी अभी नहीं हुई है। इसलिए मौके से मिली वस्तुओं को चोरी गए जेवर की बरामदगी बताना सही नहीं है।**

प्राची सिंह ने कहा कि पुलिस निष्पक्ष और वैज्ञानिक तरीके से जांच कर रही है। किसी निर्दोष को फंसाने का सवाल नहीं है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की जांच दो अहम बिंदुओं पर टिकी है—मौत का वास्तविक कारण और एफआईआर में दर्ज गायब सामान की बरामदगी।

स्कूलों की बदहाली पर अब चलेगा प्रशासन का डंडा

बिजली, जलभराव और जर्जर भवनों पर डीएम सख्त

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। परिषदीय और कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों की व्यवस्थाओं में अब लापरवाही भारी पड़ेगी। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने जिले के विद्यालयों की ब्लॉकवार समीक्षा की तो बिजली, सफाई, जलभराव और जर्जर भवनों से जुड़े मामलों को प्राथमिकता से दूर कराने के निर्देश दिए। बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जर्जर भवनों को चिन्हित कर वहां प्रवेश रोकने के स्पष्ट निर्देश दिए गए।

समीक्षा में विद्यालयों की विद्युत व्यवस्था को लेकर डीएम ने अधीक्षण अभियंता विद्युत और संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए। जिन विद्यालयों में किसी कारण से बिजली आपूर्ति बाधित है, वहां तत्काल कार्रवाई कर आपूर्ति बहाल कराई जाएगी। विद्यालयों में बिजली की व्यवस्था केवल कागजों तक सीमित न रहे, इसके लिए संबंधित अधिकारी समस्या का मौके पर समाधान सुनिश्चित करेंगे। विद्यालय परिसर में जलभराव को लेकर भी प्रशासन ने जिम्मेदारी तय की है। डीएम ने कहा कि किसी भी विद्यालय परिसर में जलभराव नहीं होना चाहिए। जहां ऐसी स्थिति सामने आए, वहां संबंधित खंड विकास अधिकारी तत्काल जल निकासी की व्यवस्था कराएं। साथ ही विद्यालयों में नियमित सफाई और कायाकल्प योजना के निर्धारित मानकों को पूरा रखने के निर्देश दिए गए।

विद्यालय परिसरों में मौजूद जर्जर भवनों को लेकर डीएम ने विशेष निर्देश जारी किए। ऐसे भवनों पर साफ शब्दों में "प्रवेश निषेध, भवन जर्जर है" लिखवाया जाएगा। उद्देश्य स्पष्ट है कि बच्चे और शिक्षक अनजाने में भी जोखिम वाले भवन में प्रवेश न करें। डीएम ने अधिकारियों को सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरतने को कहा।

रमाबाई महिला महाविद्यालय में 'दीक्षारम्भ' से नए सत्र का आगाज

नवागंतुक छात्राओं को महाविद्यालय की सुविधाओं

तमसा संकेत, संवाददाता

अकबरपुर, अंबेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 की नवागंतुक छात्राओं के लिए बुधवार को 'दीक्षारम्भ' छात्र-प्रेरण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को स्कूली शिक्षा के बाद उच्च शिक्षा के नए माहौल में सहज बनाने के साथ महाविद्यालय की संस्कृति, अनुशासन और शैक्षणिक व्यवस्था से परिचित कराना रहा। महाविद्यालय के मुख्य सभागार में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य प्रो. अरविन्द कुमार वर्मा ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ किया। उन्होंने नवागंतुक छात्राओं का स्वागत करते हुए कहा कि 'दीक्षारम्भ' केवल स्वागत कार्यक्रम नहीं है, बल्कि उच्च शिक्षा की शुरुआत के साथ छात्राओं के व्यक्तित्व विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में पहला कदम है। उन्होंने छात्राओं से महाविद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक एवं अन्य सुविधाओं का अधिक से अधिक उपयोग करने की अपील की। उन्हें राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) की ग्रेडिंग, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत उपलब्ध सुविधाओं, समृद्ध पुस्तकालय, कंप्यूटर लैब और खेलकूद गतिविधियों की जानकारी दी गई। नवागंतुक छात्राओं को महाविद्यालय में संचालित विभिन्न गतिविधियों और संस्थाओं की जानकारी भी दी गई।

चर्चा : मोती की खेती का दिया व्यावहारिक प्रशिक्षण, कृषि यंत्रों की ई-लॉटरी 20 अगस्त को

किसान दिवस में खेती के साथ कमाई के नए रास्तों पर जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। किसान दिवस में बुधवार को किसानों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ खेती से अतिरिक्त आय के विकल्पों पर भी चर्चा हुई। विकास भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मोती की खेती का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। किसानों ने कृषि यंत्रों पर अनुदान, क्रय केंद्रों के संचालन समेत कई समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप निदेशक कृषि डॉ. अश्विनी कुमार सिंह ने की। उन्होंने बताया कि कृषि यंत्रों पर अनुदान के लिए ऑनलाइन बुकिंग कराने वाले किसानों का चयन 20 अगस्त को दोपहर 12 बजे एनआईसी कक्ष में ई-लॉटरी से किया जाएगा। आवेदन करने वाले किसानों से निर्धारित समय पर उपस्थित रहने को कहा गया। जिला कृषि अधिकारी ने तोरिया, सरसों, चना, मटर और गेहूं समेत रबी फसलों के बीज की बुकिंग के संबंध में जानकारी दी। कृषि रक्षा रसायनों पर मिलने वाले अनुदान को पॉस मशीन के माध्यम से प्राप्त करने की प्रक्रिया भी बताई गई। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने किसानों से खुरपका-मुंहपका बीमारी से बचाव के लिए चल रहे टीकाकरण अभियान में सहयोग की अपील की। उन्होंने ग्राम पंचायतों में पशुओं का टीकाकरण कराने के लिए संबंधित पशु चिकित्सा अधिकारी से संपर्क करने को कहा। कार्यक्रम में विद्युत, मंडी, खाद्य एवं विपणन, बैंकिंग और सहकारिता विभाग के अधिकारियों ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। किसानों ने कृषि यंत्रों पर अनुदान, क्रय केंद्रों के संचालन और अन्य कृषि संबंधी समस्याएं उठाईं। अधिकारियों ने समस्याओं और सुझावों पर नियमानुसार कार्रवाई का भरोसा दिया।

किसान दिवस का प्रमुख आकर्षण मोती उत्पादन का प्रशिक्षण रहा। मास्टर ट्रेनर संतोष सिंह ने सीप को चिमटी की सहायता से खोलकर उसमें न्यूक्लियस डालने की प्रक्रिया का मौके पर प्रदर्शन किया। किसानों को मोती उत्पादन की तकनीक और इसके उत्पादन चक्र की जानकारी दी गई।

सीप में न्यूक्लियस डालने की प्रक्रिया दिखाई

अधिकारियों के अनुसार जिले में 30 मोती पालकों का चयन किया जा चुका है। चयनित किसानों को जहांगीरगंज स्थित संतोष सिंह के तालाब पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। मोती उत्पादन का चक्र करीब डेढ़ वर्ष का बताया गया। उचित तकनीक से एक बिस्वा तालाब क्षेत्र में भी मोती उत्पादन कर आय अर्जित की जा सकती है।

17 वर्षीय किशोरी लापता, मां ने एसपी से लगाई बरामदगी की गुहार

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। मालीपुर थाना क्षेत्र के करमिसिरपुर गांव से 17 वर्षीय किशोरी के लापता होने के मामले में उसकी मां ने पुलिस अधीक्षक से जल्द बरामदगी की गुहार लगाई है। महिला ने मामले में दर्ज प्राथमिकी पर प्रभावी कार्रवाई के साथ निष्पक्ष जांच की मांग की है। परिजनों ने किशोरी के साथ किसी अनहोनी की आशंका जताते हुए उसे सकुशल बरामद करने की मांग की है। महिला के अनुसार उनकी बेटी 31 जुलाई को घर से लापता हो गई थी। काफी खोजबीन के बाद भी जानकारी नहीं मिलने पर मालीपुर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। परिजनों ने पुलिस को बताया था कि किशोरी की बातचीत बड़ौली अदाई गांव निवासी शिवम शर्मा पुत्र संजय शर्मा से होती थी। इसके संबंध में तस्वीरें भी पुलिस को उपलब्ध कराई गई थीं।

परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने शिवम शर्मा को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था, लेकिन करीब दो दिन बाद उसे छोड़ दिया गया। इसके बाद किशोरी के बारे में जानकारी लेने पर परिवार को कथित तौर पर डराने-धमकाने की बात भी सामने आई है। महिला ने इस संबंध में भी कार्रवाई की मांग की है। महिला ने एसपी से मामले से जुड़े सभी लोगों, मोबाइल नंबरों और उपलब्ध तकनीकी साक्ष्यों की निष्पक्ष जांच कराने का अनुरोध किया है।

31 जुलाई से नहीं मिला सुराग परिजनों ने युवक से बातचीत और धमकी देने का लगाया आरोप, निष्पक्ष जांच की मांग

सम्पादकीय

स्वदेशी रक्षा सामग्री

रक्षा मंत्रालय ने देश में बनने वाले रक्षा उपकरणों की जो नई सूची जारी की, वह यह बता रही है कि रक्षा मामले में आत्मनिर्भर होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा जा रहा है। इस सूची के अनुसार चार सौ से अधिक और सैन्य सामग्री का निर्माण देश में ही किया जाएगा। यह ऐसी छठी सूची है। इस सूची में उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर, हल्के लड़ाकू विमान भी शामिल हैं और उच्च विस्फोटक टैंक-रोधी गोला-बारूद भी। इसका अर्थ है कि भारत समय के साथ ऐसी रक्षा सामग्री का निर्माण करने में सफल है, जिसकी आवश्यकता देश को भी है और जिसके निर्यात की संभावनाएं भी हैं।

पिछले पांच वर्षों में 15 हजार से अधिक रक्षा सामग्री का स्वदेशीकरण किया गया है। इससे लगभग 9,000 करोड़ रुपये के आयात प्रतिस्थापन का अनुमान है। यदि देश को वास्तव में आत्मनिर्भर बनना है तो अन्य अनेक क्षेत्रों के साथ रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। इससे विदेशी मुद्रा की बचत के साथ ही उसमें वृद्धि भी होगी, क्योंकि धीरे-धीरे देश का रक्षा निर्यात भी बढ़ रहा है।

पिछले 12 वर्षों में देश का रक्षा निर्यात कई गुना बढ़ा है और आज लगभग सौ देशों को भारतीय सैन्य उपकरणों की आपूर्ति की जा रही है। भारत को अपनी जरूरत की रक्षा सामग्री का स्वदेश में ही अधिकाधिक निर्माण इसलिए करना चाहिए, क्योंकि अभी आवश्यक रक्षा सामग्री हासिल करने में अच्छी-खासी विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ती है। भारत रक्षा सामग्री के मामले में विश्व के लिए बाजार बनकर नहीं रह सकता। इसलिए और भी नहीं, क्योंकि कई बार उन्नत रक्षा सामग्री पाने में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इनमें संबंधित देशों की कठोर शर्तें भी होती हैं। यह ठीक है कि कई देश उन्नत रक्षा सामग्री के साथ तकनीक भी दे देते हैं, लेकिन वह उत्तम कोटि की नहीं होती। भारत को अपनी जरूरत की रक्षा सामग्री खुद बनाने के साथ ही रक्षा विनिर्माण का वैश्विक केंद्र भी बनना होगा। यह सराहनीय है कि मोदी सरकार रक्षा सामग्री के स्वदेश में उत्पादन को विशेष महत्व दे रही है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से शक्ति की जिस सप्तधारा का उल्लेख किया, उसमें एक रक्षा शक्ति भी है। देश में अधिकाधिक उन्नत रक्षा सामग्री का निर्माण इसलिए संभव हो पा रहा है, क्योंकि निजी कंपनियों का सहयोग लेना शुरू किया गया है। यदि यह काम और पहले किया गया होता तो आज स्थिति और बेहतर होती। जैसे रक्षा क्षेत्र की निजी कंपनियां विश्वस्तरीय सैन्य सामग्री का निर्माण करने में सक्षम हैं, वैसे ही अन्य क्षेत्र की कंपनियों को होना होगा। आत्मनिर्भरता का यही मूल मंत्र है।

गोस्वामी तुलसीदास जी जयंती

भारतीय ऋषि परम्परा ने शास्त्रों से संज्ञान लिया और विश्व को इनका ज्ञान दिया । भारत ऋषि मुनियों व धर्मआत्माओं की जननी है, जिसे हर व्यक्ति जानता है l सनातन धर्म कहें या परंपरा सबसे प्राचीन है l इसी परंपरा के साथ कई रीती रिवाज़ व त्योहार भी जुड़े हुए हैं । हर त्योहार, ऋतु व रीति रिवाज़ अपने साथ एक संस्कृति को जोड़े हुए है l ये कहीं न कहीं हमें भी अपने साथ जोड़े हुए है । अतीत में हमारे ऋषि मुनि घोर जंगल में अपने इष्ट की साधना करके विभिन्न तरह की सिद्धियाँ प्राप्त करते थे।वो अपने भगवान से अपने भावों के माध्यम से तार जोड़ते थे। गोस्वामी तुलसीदास जी एक महान रामभक्त कवि और दार्शनिक थे, जिन्होंने श्री रामचरितमानस और हनुमान चालीसा जैसे विश्व प्रसिद्ध ग्रंथों की रचना की। उन्हें महर्षि वाल्मीकि का अवतार भी माना जाता है और उन्होंने राम भक्ति में लीन होकर भक्ति और साहित्य के क्षेत्र में अमूल्य योगदान दिया। महाकाव्य श्रीरामचरितमानस को विश्व के 100 सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय काव्यों में 46वाँ स्थान दिया गया। तुलसीदास जी रामानंद संप्रदाय के अनुयायी थे। गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती हर साल श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को मनाई जाती है। गोस्वामी तुलसीदास जी का जन्म 1532 ईस्वी में हुआ था और उनकी मृत्यु 1623 ईस्वी में हुई थी। हमारा मन विचारों का, कामनाओं का एक सतत प्रवाह है । एक अनवरत सिलसिला पुरानी स्मृतियों का, अच्छी बुरी प्रवृतियों आदि का चलता ही रहता है। गोस्वामी तुलसीदास जी को उनकी पत्नी रत्नावली द्वारा दिए गए एक ताने के बाद उन्होंने सांसारिक जीवन छोड़ दिया और पूर्णतः राम भक्ति में लीन हो गए। वह विश्व प्रसिद्ध ग्रंथों की उन्होंने रचना की । अपने काव्य और लेखन के माध्यम से प्रभु श्रीराम के आदर्शों और जीवन चरित्र को उन्होंने जन-जन तक पहुंचाया था । उनके गुणों को हम सही से अपने जीवन में आत्मसात कर सकें यही हमारे लिए काम्य हैं ।

› प्रदीप छाजेड़
› (बोरावड़)

परीक्षा की शुचिता और नौकरी की सुरक्षाः झारखंड की चुनौती

> यदि किसी परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक हुआ हो, संगठित धांधली हुई हो या चयन प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली गंभीर अनियमितता प्रमाणित हो, तो उस प्रक्रिया की जांच और आवश्यक होने पर परीक्षा रद्द करना स्वाभाविक रूप से जरूरी है।

झारखंड में सरकारी भर्ती परीक्षाओं को लेकर पिछले पच्चीस दिनों से चला आ रहा छात्र आंदोलन अब एक नए और अधिक जटिल चरण में पहुंच गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार ने छात्र आंदोलन के दबाव, परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और परीक्षा संचालन की विश्वसनीयता पर उठे गंभीर सवालों के बीच जेएसएससी-सीजीएल, चैदहवीं जेपीएससी सहित टीडीपीएल से जुड़ी अनेक भर्ती परीक्षाओं को रद्द करने की घोषणा की है। सरकार ने वर्ष 2014 के बाद हुई नियुक्ति परीक्षाओं की जांच कराने और व्यवस्था में सुधार के लिए भी कदम उठाने की बात कही है। इस फैसले से आंदोलनरत छात्रों को बड़ी राहत मिली है, लेकिन इसके साथ ही पहले से चयनित होकर सरकारी सेवा में कार्यरत हजारों युवाओं के सामने रोजगार और भविष्य का संकट खड़ा हो गया है। यही विरोधाभास झारखंड के वर्तमान भर्ती विवाद को केवल परीक्षा घोटाले का मामला न बनाकर न्याय, प्रशासनिक जवाबदेही और मानवीय संवेदना का गंभीर प्रश्न बना देता है। रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में 25 जुलाई 2026 से शुरू हुआ छात्रों का आंदोलन जेपीएससी और जेएसएससी की भर्ती परीक्षाओं में कथित पेपर लीक, अनियमितताओं और पारदर्शिता की कमी के विरोध में था। छात्र विभिन्न परीक्षाओं की निष्पक्ष जांच, संदिग्ध प्रक्रियाओं को निरस्त करने और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग कर रहे थे। छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने सोलह दिनों तक आमरण अनशन किया। सरकार की घोषणा के बाद उन्होंने अनशन समाप्त किया, हालांकि कुछ छात्र अब भी केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच कराने की मांग पर कायम हैं। सरकार ने आठ अलग-अलग अधिसूचनाओं के माध्यम से कुल 44 परीक्षाओं को रद्द करने की सूची जारी की है। सरकारी नौकरी के लिए प्रतियोगिता करने वाले लाखों युवाओं का विश्वास तभी कायम रह सकता है, जब उन्हें यह भरोसा हो कि उनकी मेहनत किसी दलाल, भ्रष्ट अधिकारी, परीक्षा संचालक या अनुचित साधन अपनाने वाले व्यक्ति के कारण व्यर्थ नहीं जाएगी। इसलिए छात्रों की पारदर्शी और निष्पक्ष भर्ती व्यवस्था की मांग पूरी तरह जायज है। लेकिन समस्या उस समय गंभीर हो जाती है जब किसी परीक्षा में हुई सामूहिक अनियमितता के कारण उन अभ्यर्थियों को भी नौकरी से हटाने का फैसला किया जाता है जिनके विरुद्ध व्यक्तिगत स्तर पर किसी गलत आचरण का प्रमाण नहीं है। जेएसएससी-सीजीएल के चयनित कर्मचारियों का वर्तमान विरोध इसी मूल प्रश्न को सामने रखता है। दिसंबर 2023 में परीक्षा आयोजित हुई थी। पेपर लीक के आरोपों के बाद सितंबर 2024 में परीक्षा दोबारा आयोजित की गई। मामला न्यायालय तक पहुंचा और न्यायिक प्रक्रिया के बाद परिणाम घोषित किए गए। सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र भी दिए गए और अनेक लोग सरकारी सेवा में कार्यरत हो गए। अब पूरी प्रक्रिया को निरस्त किए जाने से लगभग दो हजार चयनित कर्मचारी सीधे प्रभावित हुए हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार करीब 1975 लोगों की नियुक्तियां इस फैसले से प्रभावित हुई हैं। इन कर्मचारियों का कहना है कि उन्होंने निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार परीक्षा दी, सफलता प्राप्त की, नियुक्ति पत्र पाया और सेवा में योगदान किया। यदि किसी स्तर पर भ्रष्टाचार हुआ है तो उसकी जांच हो, लेकिन सभी चयनित अभ्यर्थियों को दोषी मानकर नौकरी से हटाना न्यायसंगत नहीं है।

सरकारी नौकरी मिलने के बाद अनेक युवाओं ने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए ऋण लिया, मकान या अन्य आवश्यकताओं के लिए वित्तीय जिम्मेदारियां उठाईं और अपनी दूसरी नौकरियां छोड़ दीं। उनके जीवन की योजनाएं नियमित वेतन और सरकारी सेवा की स्थिरता पर आधारित हो गईं। हटाए गए कर्मचारियों की पीड़ा और नाराजगी को भी उसी गंभीरता से सुना जाना चाहिए, जिस गंभीरता से छात्रों की शिकायतें सुनी गईं। यहां मूल सवाल यह है कि परीक्षा में अनियमितता और अभ्यर्थी की व्यक्तिगत संलिप्तता के बीच अंतर कैसे किया जाए। यदि किसी अभ्यर्थी ने पेपर खरीदा, नकल की, अनुचित साधन अपनाया या किसी दलाल के माध्यम से लाभ प्राप्त किया, तो उसके विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन जिसने बिना किसी सिद्ध कदाचार के परीक्षा दी, परिणाम में सफल हुआ और नियुक्त होकर सेवा कर रहा है, उसके मामले में केवल परीक्षा प्रक्रिया की खामी को आधार बनाकर सामूहिक दंड देना न्याय के सिद्धांतों पर प्रश्न खड़े करता है। दोषी को बचाना अन्याय है, लेकिन निर्दोष को दंडित करना भी उतना ही बड़ा अन्याय है। सरकार को इसी संतुलन की कसौटी पर अपने निर्णय को परखना होगा। राज्य सरकार के सामने अब दोहरी चुनौती है। एक ओर उसे आंदोलनरत छात्रों के विश्वास को बनाए रखना है और दूसरी ओर हटाए गए कर्मचारियों के अधिकारों तथा आजीविका की रक्षा का रास्ता तलाशना है। केवल परीक्षा रद्द कर देने से समस्या समाप्त नहीं होगी। सरकार को स्वतंत्र, निष्पक्ष और समयबद्ध जांच करानी होगी, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि अनियमितता किस स्तर पर हुई, कौन लोग इसके लिए जिम्मेदार थे और किन अभ्यर्थियों ने अनुचित लाभ उठाया। जांच की प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए जिस पर छात्र भी विश्वास कर सकें और चयनित कर्मचारी भी। यदि जांच निष्पक्ष होगी तो दोषियों पर कार्रवाई के साथ निर्दोषों को राहत देने का रास्ता भी निकलेगा। सरकार को अपने निर्णय के कानूनी आधार को स्पष्ट करना होगा और प्रभावित कर्मचारियों को अपनी बात रखने का उचित अवसर देना होगा। किसी भी प्रशासनिक निर्णय की मजबूती केवल उसकी मंशा से नहीं, बल्कि उसकी विधिक प्रक्रिया और न्यायसंगतता से तय होती है। यदि कर्मचारियों ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाने का निर्णय लिया है तो उन्हें कानून के माध्यम से अपना पक्ष रखने का पूरा अधिकार है।

ललित गर्ग

आज उत्तर प्रदेश का...

डॉ. नीरज भारद्वाज

प्रदेश के बेसिक शिक्षा विभाग ने रचे विकास गुणवत्ता और नवाचार के नए कीर्तिमान

विद्या ददाति विनयं विनयाद् याति पात्रताम्।
पात्रत्वाद् धनमाप्नोति धनाद् धर्मं ततः सुखम्॥

अर्थात विद्या से विनम्रता आती है, विनम्रता से योग्यता प्राप्त होती है, योग्यता से धन और उससे धर्म एवं सुख की प्राप्ति होती है। इन्हीं पंक्तियों को चरितार्थ करने हेतु मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने बेसिक शिक्षा विभाग को केवल विद्यालय संचालन तक सीमित न रखकर सामाजिक परिवर्तन, मानवीय विकास और सुशासन का प्रभावी माध्यम बनाया है।

आज उत्तर प्रदेश का बेसिक शिक्षा विभाग एक ऐसे परिवर्तन का साक्षी है, जिसकी कल्पना कुछ वर्ष पूर्व तक कठिन प्रतीत होती थी। कभी संसाधनों के अभाव, जर्जर भवनों और घटते नामांकन के लिए चर्चा में रहने वाले परिषदीय विद्यालय आज आधुनिक सुविधाओं, डिजिटल तकनीक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और जनविश्वास के कारण नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। यह परिवर्तन केवल भवनों के कायाकल्प का नहीं, बल्कि शिक्षा की आत्मा को पुनर्जीवित करने का अभियान है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी सोच का परिणाम है कि प्रदेश के प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचाने के लिए अभूतपूर्व प्रयास किए गए। मिशन ऑपरेशन कायाकल्प के

अंतर्गत विद्यालयों में 19 आधारभूत सुविधाओं का विकास सुनिश्चित किया गया। आज प्रदेश के लगभग 96 प्रतिशत परिषदीय विद्यालयों में इन मूलभूत सुविधाओं का संतृप्तीकरण किया जा चुका है। स्वच्छ पेयजल, पृथक शौचालय, विद्युत व्यवस्था, पुस्तकालय, खेल सामग्री, दिव्यांग अनुकूल रैंप, फर्नीचर और आकर्षक परिसर ने सरकारी विद्यालयों की तस्वीर बदल दी है। यही कारण है कि आज परिषदीय विद्यालय अभिभावकों के विश्वास का केंद्र बनते जा रहे हैं। प्रदेश सरकार ने शिक्षा को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के लिए व्यापक डिजिटल परिवर्तन भी किया है। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत अब तक 31,878 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, 14,988 विद्यालयों में आईसीटी लैब तथा 1,129 विद्यालयों में डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित की जा चुकी हैं। इसके साथ ही शिक्षकों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए 2,61,530 टैबलेट वितरित किए गए हैं। यह पहल शिक्षा को किताबों के अलावा डिजिटल आयामों से जोड़ने का ऐतिहासिक प्रयास है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में संचालित स्कूल चलो अभियान ने शिक्षा को जनांदोलन का स्वरूप प्रदान किया है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के उद्देश्य को साकार करते हुए घर-घर संपर्क अभियान चलाया गया। शैक्षिक सत्र 2026-27 में अब तक 27.05 लाख से अधिक बच्चों का नवीन नामांकन कराया जा चुका है। यह आंकड़े उन लाखों परिवारों की आशा का पुनर्जागरण है, जिन्होंने अपने बच्चों के भविष्य को शिक्षा से जोड़ने का संकल्प लिया है।

समावेशी शिक्षा की दिशा में भी उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत निजी विद्यालयों में आर्थिक रूप से कमजोर एवं वंचित वर्ग के बच्चों के प्रवेश हेतु वर्ष 2026-27 में लगभग 1.96 लाख बच्चों का चयन किया गया, जिनमें से 1.49 लाख से अधिक बच्चों का प्रवेश सुनिश्चित किया जा चुका है। यह सामाजिक न्याय और समान अवसर की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता देने की प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाया गया। डीबीटी के माध्यम से गणवेश, जूते-मोजे, स्वेटर, स्कूल बैग एवं स्टेशनरी के लिए धनराशि सीधे अभिभावकों के खातों में भेजी जा रही है। शैक्षिक सत्र 2026-27 के प्रथम चरण में 1 करोड़ 10 लाख विद्यार्थियों के लिए 1320 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि सीधे बैंक खातों में हस्तांतरित की गई। इससे पारदर्शिता के साथ-साथ अभिभावकों का विश्वास भी सुदृढ़ हुआ। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए निपुण भारत मिशन के अंतर्गत बच्चों में बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक दक्षता विकसित करने का व्यापक अभियान चलाया गया। गतिविधि आधारित शिक्षण, सतत मूल्यांकन और प्रशिक्षित शिक्षकों के माध्यम से प्राथमिक कक्षाओं में अधिगम स्तर में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया। प्रदेश के विद्यालयों में सीखने की संस्कृति को नई दिशा मिली है। शिक्षकों को शिक्षा व्यवस्था का प्राण तत्व मानते हुए उनके क्षमता संवर्धन पर भी विशेष ध्यान दिया गया। वर्ष 2025-26 में 1,96,003 शिक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया तथा विद्यालय नेतृत्व को सुदृढ़ करने के लिए लगभग 1.5 लाख प्रधानाध्यापकों एवं प्रधानाचार्यों को विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है।

शिक्षा और ...

प्रवीण मालवीय

प्रदेश में मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना से नवसृजित नगरों को मिल रही है आधुनिक पहचान

उत्तर प्रदेश में तेजी से बढ़ते शहरीकरण के बीच मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने सुनियोजित और समावेशी शहरी विकास का नया मॉडल स्थापित किया है। प्रदेश के अनेक ग्रामीण क्षेत्रों का नगरीकरण हुआ है। प्रदेश में कई नई नगर पंचायतों का गठन हुआ और नगर निकायों का सीमा विस्तार किया गया। इन नवसृजित एवं विस्तारित नगरों में नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं, गुणवत्तापूर्ण शहरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वर्ष 2022-23 में ''मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना'' की शुरुआत की गई। यह योजना आज प्रदेश के शहरी विकास की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हो रही है।

प्रदेश में पिछले पांच वर्षों के दौरान 113 नई नगर पंचायतों का गठन तथा 127 नगरीय निकायों का सीमा विस्तार किया गया। इन क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोग निवास करते हैं, इन क्षेत्रों में बेहतर सड़क, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता और अन्य आवश्यक शहरी सुविधाओं से युक्त विकास कार्य किये जा रहे है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने इन आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए ऐसी व्यवस्था विकसित करने का निर्णय लिया, जिससे नवसृजित और विस्तारित नगरों के नागरिकों को भी बड़े शहरों जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना का सबसे बड़ा उद्देश्य केवल विकास कार्य कराना नहीं, बल्कि नवगठित नगरों को योजनाबद्ध, व्यवस्थित और आत्मनिर्भर शहरी इकाइयों के रूप में विकसित करना है। प्रदेश सरकार सड़क निर्माण, पेयजल आपूर्ति, नाला निर्माण, मार्ग प्रकाश व्यवस्था, पार्कों का सौंदर्यीकरण, प्रमुख चौराहों का विकास, मुख्य व्यावसायिक क्षेत्रों का आधुनिकीकरण, कार्यालय भवनों का निर्माण तथा नागरिक सुविधाओं से जुड़े अनेक निर्माण कार्य तेजी से करा रही है।

शिक्षा और सामाजिक विकास को भी इस योजना का महत्वपूर्ण आधार बनाया गया है। ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत नवसृजित और सीमा विस्तारित नगर निकायों में स्थित विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों का व्यापक कायाकल्प किया गया है। अवशेष में कार्य प्रगति पर है। आधुनिक भवन, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, फर्नीचर, विद्युत व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराकर बच्चों के लिए बेहतर शिक्षण वातावरण तैयार किया गया है। इससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के साथ-साथ अभिभावकों का सरकारी विद्यालयों के प्रति विश्वास भी बढ़ा है।प्रदेश सरकार नागरिक सुविधाओं के साथ सामाजिक अधोसंरचना को भी मजबूत कर रही है। नवसृजित एवं विस्तारित नगर निकायों में कल्याण मंडपों का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए स्थानीय लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। यह पहल सामाजिक समरसता को भी नई मजबूती प्रदान कर रही है।

नगरों के समग्र विकास में बेहतर सड़क संपर्क की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने नवसृजित एवं विस्तारित नगर निकायों में सड़कों के निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। नई सड़कों के निर्माण से नागरिकों की आवाजाही सुगम हुई है, व्यापारिक गतिविधियों को गति मिली है ।

जरा हटके

योजना की सफलता...

डॉ0 सीमा गुप्ता

अटल आवासीय विद्यालय योजना से जौनपुर के श्रमिक परिवारों को मिला शिक्षा का उजाला

प्रदेश सरकार द्वारा समाज के अंतिम पायदान पर खड़े असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों, दैनिक वेतनभोगियों, निर्माण कामगारों तथा निराश्रित अनाथ बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से संचालित 'अटल आवासीय विद्यालय योजना' राज्यभर में सामाजिक न्याय और समावेशी विकास का एक ऐतिहासिक आधार स्तंभ बनकर उभर रही है। आर्थिक रूप से कमजोर और समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए लागू की गई यह महत्वाकांक्षी योजना वर्तमान समय में प्रदेश के ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी अंचलों में दूरगामी और सकारात्मक बदलाव की वाहक सिद्ध हो रही है। विशेष रूप से जनपद जौनपुर में इस योजना ने अभावों के बीच जीवन यापन कर रहे निर्धन परिवारों के नौनिहालों के जीवन में ज्ञान और आत्मनिर्भरता का नया सवेरा किया है। जनपद जौनपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन यापन करने वाले असंगठित क्षेत्र के कामगार परिवारों के लिए अपने बच्चों को आधुनिक और उच्चस्तरीय शिक्षा दिलाना सदैव से एक मुश्किल कार्य रहा है। सीमित आमदनी, आजीविका के लिए निरंतर होने वाला भौगोलिक विस्थापन और पारिवारिक दायित्वों के बोझ के कारण इन परिवारों के प्रतिभावान बच्चे अक्सर उत्कृष्ट शैक्षणिक अवसरों से वंचित रह जाते थे। प्रदेश सरकार ने इस मूल समस्या की पहचान करते हुए केंद्र सरकार द्वारा संचालित प्रतिष्ठित नवोदय विद्यालयों और देश के ख्यातिलब्ध पब्लिक स्कूलों के मानकों के अनुरूप अटल आवासीय विद्यालयों की स्थापना की रूपरेखा तैयार की, ताकि अवसरों की असमानता को समाप्त किया जा सके।

योजना की सफलता का अत्यंत प्रेरक और स्पष्ट स्वरूप जनपद जौनपुर के शाहगंज क्षेत्र के ग्राम ताखा में देखने को मिलता है। यहाँ के निवासी श्याम सुंदर एक

साधारण दिहाड़ी मजदूर हैं, जिनका संपूर्ण जीवन दैनिक मजदूरी के बल पर परिवार का भरण-पोषण करने में व्यतीत हो रहा था। सीमित और अनिश्चित आय के बावजूद वे अपनी चार पुत्रियों को समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाने और उन्हें उत्कृष्ट शिक्षा उपलब्ध कराने का संकल्प संजोए हुए थे। दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के संघर्ष के मध्य उच्च गुणवत्ता की स्कूली शिक्षा का व्यय वहन करना उनके लिए सर्वथा असंभव प्रतीत होता था।

श्याम सुंदर ने वर्ष 2014 में श्रम विभाग के अंतर्गत अपना पंजीकरण कराया था। श्रम विभाग से ही उन्हें प्रदेश सरकार द्वारा श्रमिक संतानों के लिए संचालित अटल आवासीय विद्यालय योजना की जानकारी प्राप्त हुई, तो उन्होंने अपनी मेधावी पुत्री जाह्नवी का आवेदन कराया। जाह्नवी ने राज्य स्तर पर आयोजित पारदर्शी एवं प्रतिस्पर्धी प्रवेश परीक्षा में अपनी योग्यता सिद्ध करते हुए सफलता प्राप्त की और सत्र 2024-25 में अटल आवासीय विद्यालय में कक्षा 9 में प्रवेश प्राप्त किया। विद्यालय परिसर में प्रवेश के उपरांत जाह्नवी को आवास, पौष्टिक एवं संतुलित खानपान, अत्याधुनिक शिक्षण सामग्री, यूनिफॉर्म तथा उत्कृष्ट शिक्षकों का मार्गदर्शन पूर्णतः निःशुल्क सुलभ कराया गया। इस अनुकूल शैक्षणिक परिवेश ने जाह्नवी के आत्मविश्वास को नई दिशा प्रदान की, जिसके फलस्वरूप उसने अपनी पढ़ाई पर पूर्ण ध्यान केंद्रित किया। उसकी अनवरत निष्ठा और शिक्षकों के सतत मार्गदर्शन का यह सुफल रहा कि उसने सत्र 2025-26 की हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में 91 प्रतिशत उत्कृष्ट अंक अर्जित कर अपने माता-पिता के साथ-साथ संपूर्ण जनपद जौनपुर का नाम रोशन किया। लाभार्थी के पिता का मानना है कि इस योजना के अभाव में आर्थिक विषमताओं के कारण उनकी पुत्री के लिए इतनी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि प्राप्त करना संभव नहीं था।

इसी क्रम में जनपद जौनपुर के विकास खंड सिकरारा अंतर्गत ग्राम पचोखर निवासी बुद्धिराम यादव का परिवार भी इस योजना के माध्यम से प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हुआ है। बुद्धिराम यादव आजीविका के लिए टाइल्स मिस्त्री का श्रमसाध्य कार्य करते हैं। अपने श्रम के बल पर परिवार का पालन करते हुए वे सदैव अपने पुत्र वंशज को एक बेहतर शैक्षणिक पृष्ठभूमि देने के लिए प्रयासरत रहे। उन्होंने सत्र 2024-25 में अटल आवासीय विद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया में भाग लेकर अपने पुत्र का आवेदन कराया, जहाँ वंशज का चयन कक्षा 9 में अध्ययन हेतु हुआ। अटल आवासीय विद्यालय के अनुशासित वातावरण, डिजिटल संसाधनों और शिक्षकों की व्यक्तिगत देखरेख में अध्ययन करते हुए वंशज ने अपनी प्रतिभा को सिद्ध किया। सत्र 2025-26 की हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में वंशज ने 87.4 प्रतिशत अंक हासिल कर यह प्रमाणित किया कि यदि वंचित वर्ग के विद्यार्थियों को अनुकूल अवसर उपलब्ध कराए जाएं, तो वे उत्कृष्टता के नए प्रतिमान स्थापित कर सकते हैं। बुद्धिराम यादव का स्पष्ट मानना है कि विद्यालय की आधुनिक शिक्षण पद्धति, डिजिटल स्मार्ट कक्षाओं और सर्वांगीण विकास पर केंद्रित वातावरण ने उनके पुत्र के शैक्षणिक स्तर को नई ऊंचाई प्रदान की है। अटल आवासीय विद्यालय योजना केवल श्रमिक परिवारों तक ही सीमित नहीं है, अपितु यह गंभीर पारिवारिक विपत्तियों का सामना कर रहे निराश्रित और अनाथ बच्चों के लिए भी एक मजबूत सुरक्षा कवच बनकर उभरी है। जनपद जौनपुर के विकास खंड सिरकोनी अंतर्गत ग्राम रमसापुर कबूलपुर की निवासी श्रीमती विद्योत्तमा देवी की आपबीती इस व्यवस्था की संवेदनशीलता को उजागर करती है। एक भीषण सड़क दुर्घटना में अपनी ज्येष्ठ पुत्री अर्चना और दामाद को असमय खो देने के बाद उनके अबोध नाती सावन कुमार के जीवन और शिक्षा पर गहरा संकट उत्पन्न हो गया था।

विदेशी कंपनियों की मांग के अनुरूप युवाओं को दिया जाएगा प्रशिक्षण, प्रशिक्षित युवाओं को पारदर्शी तरीके से अंतर्राष्ट्रीय रोजगार से जोड़ा जाएगा

यूपी के युवाओं को मिलेंगे वैश्विक रोजगार के अवसर

गठन

- विदेशी कंपनियों की मांग के अनुरूप युवाओं को दिया जाएगा प्रशिक्षण, प्रशिक्षित युवाओं को पारदर्शी तरीके से अंतर्राष्ट्रीय रोजगार से जोड़ा जाएगा
- 35 प्रमुख सेक्टरों में 1,300 से अधिक जॉब रोल में दिया जा रहा कौशल प्रशिक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश के युवाओं को देश ही नहीं, बल्कि वैश्विक रोजगार बाजार से जोड़ने की दिशा में लगातार नए कदम उठा रही है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन में 'इंटर-नेशनल एम्पलॉयमेंट सेल' का गठन किया गया है। यह प्रकोष्ठ विदेशों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों की जानकारी जुटाने के साथ ही विदेशी कंपनियों की मांग के अनुरूप युवाओं को प्रशिक्षण दिलाने और उन्हें पारदर्शी तरीके से अंतर्राष्ट्रीय रोजगार से जोड़ने का कार्य करेगा। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि योगी सरकार का लक्ष्य प्रदेश के युवाओं को उनकी योग्यता और कौशल के अनुरूप बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के युवा प्रतिभा और क्षमता के मामले में किसी से पीछे नहीं हैं। इंटरनेशनल एम्पलॉयमेंट सेल के माध्यम से हमारे प्रशिक्षित युवाओं को विदेशों में रोजगार के अवसरों से जोड़ने की प्रभावी व्यवस्था तैयार की जा रही है। सरकार की प्राथमिकता है कि युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप सम्मानजनक रोजगार मिले और वे वैश्विक स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन करें।

प्रशिक्षित युवाओं को वैश्विक रोजगार बाजार से जोड़ने पर विशेष जोर

मिशन निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के तहत 35 प्रमुख सेक्टरों में 1,300 से अधिक जॉब रोल के लिए युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अब प्रशिक्षित युवाओं को वैश्विक रोजगार बाजार से जोड़ने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

कौशल विकास मिशन में 'इंटरनेशनल एम्पलॉयमेंट सेल' गठित

- विदेशों में रोजगार की मांग के अनुरूप तैयार होगा युवाओं का डेटाबेस, हर 15 दिन में 'मिशन रोजगार सेल' के साथ होगी बैठक और समन्वय
- भविष्य में विदेशों में आने वाली नौकरियों का पूर्व आकलन करेगा सेल, रोजगार की मांग के अनुरूप नए प्रशिक्षण कार्यक्रम किए जाएंगे शुरू
- इन्वेस्ट यूपी के सहयोग से विदेशों में कुशल श्रमिकों की मांग का होगा अध्ययन, रोजगार से वंचित प्रशिक्षित युवाओं को विदेशों में रोजगार से जोड़ने को प्राथमिकता

तुर्कमेनिस्तान की महिला से होटल में मिलने गए थे ठग

8 साल से 5 युवतियों से देह व्यापार करवा रही

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के गोमतीनगर के विकासखंड-3 स्थित होटल क्रिस्टेलिया में खुद को विदेश मंत्रालय का अधिकारी बताकर पहुंचे आरोपियों से पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आरोपी अभिनव और शिवम जिस तुर्कमेनिस्तान निवासी रोजा की तलाश में होटल पहुंचे थे, वह करीब 10 साल से लखनऊ में रह रही है।

भारत में रहकर सेक्स रैकेट चलाने का काम करती है। वह तुर्कमेनिस्तान व उज्बेकिस्तान की लड़कियों को मेडिकल वीजा पर भारत लाती है। आरोप है कि वह करीब आठ साल से अपने साथ लाई गईं पांच युवतियों से देह व्यापार करा रही थी। पुलिस अब रोजा समेत नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है। वहीं आरोपियों के पास मिले 478 विजिटिंग कार्ड, 14

डेबिट-क्रेडिट कार्ड और दो चेकबुक की भी जांच की जा रही है।

पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि रोजा ने उन पांचों युवतियों के पासपोर्ट अपने कब्जे में ले रखे थे। इनमें से एक युवती जिसका नाम दुनिया है, उसने शिवम को इसकी जानकारी दी थी। जिसके दोनों ने प्लान के तहत छापेमारी की। पुलिस अब रोजा के साथ ही उस विदेशी महिला की भी तलाश कर रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि रोजा वास्तव में होटल क्रिस्टेलिया में ठहरी थी या नहीं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, फरार आरोपी को पकड़ने के लिए तीन टीमें लगाई गई हैं।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में 50 फीट ऊंचे झूले की ट्रॉली टूटी

लखनऊ। लखनऊ के पॉश इलाके में मंगलवार रात सावन महोत्सव के दौरान 50 फीट ऊंचे चलते झूले की ट्रॉली टूट गई। ट्रॉली पांच-छह ट्रॉलियों से टकराती हुई नीचे आई। हादसे में भाई-बहन समेत 5 बच्चे घायल हो गए। एक बच्ची के मुंह से खून आने लगा। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें तीन की हालत गंभीर है। हादसे का डराने वाला वीडियो भी सामने आया।

डिप्टी सीएम मिले फार्मासिस्ट भर्ती के अभ्यर्थी

लखनऊ। लखनऊ में फार्मासिस्ट भर्ती की सीटें बढ़ाने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों ने बुधवार को डिप्टी सीएम बृजेश पाठक से मुलाकात की। अभ्यर्थियों ने भर्ती में खाली पदों की संख्या के आधार पर सीटें बढ़ाने की मांग रखी।

अभ्यर्थियों ने कहा कि विभाग में फार्मासिस्ट के कई पद रिक्त हैं। ऐसे में भर्ती की सीटें बढ़ाई जाएं, ताकि अधिक अभ्यर्थियों को नौकरी का अवसर मिल सके।

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने बताया कि इस मामले में डीजी हेल्थ और प्रमुख सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन से पहले ही बात की जा चुकी है।

जहरीला पदार्थ खाने से ज्वेलर्स की मौत

दुबग्गा। लखनऊ के काकोरी कस्बे में जहरीला पदार्थ खाने से 30 वर्षीय स्वर्णकार अमित सोनी की मौत हो गई। बुधवार को जहरीला पदार्थ खाने के बाद परिजन उन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र काकोरी ले गए। वहां से डॉक्टरों ने गंभीर हालत देखते हुए बलराम अस्पताल रेफर कर दिया, लेकिन अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही अमित ने दम तोड़ दिया।

उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार तथा खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुपालन को बढ़ावा

क्षेत्रीय खाद्य अनुसंधान एवं विश्लेषण केन्द्र को एनएबीएल और एफएसएसएआई एकीकृत मान्यता प्राप्त

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उत्तर प्रदेश के अंतर्गत संचालित क्षेत्रीय खाद्य अनुसंधान एवं विश्लेषण केन्द्र (आर-फ्रैक), लखनऊ की प्रयोगशाला को 17 अगस्त, 2026 से NABL (परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड) एवं FSSAI Integrated Accreditation (भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण) प्राप्त हो गया है। यह जानकारी आर0 फ्रैंक (क्षेत्रीय खाद्य अनुसंधान एवं विश्लेषण केन्द्र) द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में दी गयी है और बताया गया है कि यह उपलब्धि प्रदेश में खाद्य गुणवत्ता एवं सुरक्षा के क्षेत्र में परीक्षण सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

आर फ्रैंक द्वारा यह भी जानकारी दी गयी है कि यह उपलब्धि माननीय उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य

जी के दिशा-निर्देशन तथा श्री बी एल मीणा, अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के मार्गदर्शन में केन्द्र द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों का परिणाम है।

यह सुविधा विशेष रूप से उन किसानों एवं उद्यमियों के लिए उपयोगी होगी, जो अपने कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में पहुंचाना चाहते हैं। परीक्षण रिपोर्टों के माध्यम से APEDA (कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण) एवं AgMark (कृषि उपज प्रमाणीकरण चिह्न) से संबंधित गुणवत्ता आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायता मिलेगी।

मान्यता प्राप्त होने से प्रदेश के किसानों, कृषक उत्पादक संगठनों, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों एवं उद्यमियों को अपने उत्पादों का वैज्ञानिक एवं विश्वसनीय गुणवत्ता परीक्षण कराने की सुविधा मिलेगी। इससे उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार तथा खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुपालन को बढ़ावा मिलेगा।

साइबर अपराध के बढ़ते खतरों और उनसे बचाव के व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी गई

साइबर अपराध से बचाव के लिए सतर्कता जरूरी : महाना

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। विधानसभा के मा अध्यक्ष श्री सतीश महाना ने कहा कि डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा प्रत्येक व्यक्ति, संस्था और जनप्रतिनिधि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। साइबर अपराधी लगातार नए तरीकों से लोगों को निशाना बना रहे हैं। ऐसे में जागरूकता और सतर्कता ही साइबर अपराध से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि विधायकों को स्वयं साइबर सुरक्षा के प्रति सजग रहने के साथ-साथ अपने क्षेत्र की जनता को भी इसके प्रति जागरूक करना चाहिए।

इस अवसर पर मा अध्यक्ष श्री सतीश महाना ने कहा कि उनके कार्यकाल के पहले वर्ष में ही अलग-अलग क्षेत्रों के विधायकों को बुलाकर उनसे संवाद किया गया।

उन्होंने कहा कि साढ़े चार वर्ष के कार्यकाल में विधानसभा में अनेक जनहित के मुद्दे उठाए गए हैं और अब नए चुनाव की अधिसूचना के लिए लगभग चार महीने का समय शेष है। आवश्यकता है कि सदन में उठाए गए मुद्दों और किए गए कार्यों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाया जाए। राज्यमंत्री श्रीमती रजनी तिवारी ने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि विधानसभा में अनेक परिवर्तन हुए हैं, जिनके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। इन परिवर्तनों से बहुत कुछ नया सीखने को मिला है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा आज देश में एक मॉडल विधानसभा बन चुकी है। विधायकों के लिए साइबर सुरक्षा पर आयोजित यह कार्यक्रम भी एक महत्वपूर्ण नवाचार है।

राजधानी के एक होटल में विधायकों के लिए "साइबर सुरक्षा : ए डिजिटल सिक्योरिटी ब्रीफिंग फॉर लेजिस्लेटर्स" कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में साइबर अपराध के बढ़ते खतरों और उनसे बचाव के व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी गई।

संदिग्ध ऐप डाउनलोड करने से बचें

देश के जाने माने साइबर विशेषज्ञ अमित दुबे ने विधायकों को फिशिंग, फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक, ओटीपी धोखाधड़ी, पासवर्ड चोरी, सोशल मीडिया अकाउंट हैकिंग और डिजिटल पहचान के दुरुपयोग जैसे साइबर अपराधों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, ओटीपी, पासवर्ड या बैंक संबंधी जानकारी किसी के साथ साझा न करें और संदिग्ध ऐप डाउनलोड करने से बचें। उन्होंने मजबूत पासवर्ड रखने, टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन सक्रिय करने तथा मोबाइल और कंप्यूटर को नियमित रूप से अपडेट रखने की सलाह दी।

मिशन सेफ फ्यूचर समेत विभिन्न अभियानों के तहत प्रदेश में 6 हजार से ज्यादा वाहन मिले अनफिट

स्कूली बच्चों की सुरक्षा के लिए योगी सरकार का बड़ा कदम

82 हजार से ज्यादा स्कूली वाहनों की हो रही निगरानी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर स्कूली विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर प्रदेश में मिशन सेफ फ्यूचर के साथ ही कई अभियान चलाए जा रहे हैं। इसके तहत उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग स्कूली वाहनों की फिटनेस जांच के साथ-साथ वाहन चालकों का चरित्र सत्यापन भी करा रहा है। मुख्यमंत्री ने हाल में स्कूली वाहनों की फिटनेस पर विशेष ध्यान देने और चालकों का अनिवार्य रूप से सत्यापन कराने के निर्देश दिए थे।

परिवहन विभाग के 13 अगस्त तक के आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश में फिलहाल 19,680 स्कूल हैं। इनमें 74,337 वाहन स्कूल के नाम से पंजीकृत हैं, जबकि 8,022 वाहन स्कूलों से अनुबंधित हैं। इस तरह प्रदेश में कुल 82,259 स्कूली वाहन हैं। विभिन्न अभियानों के दौरान प्रदेशभर में स्कूली वाहनों की जांच की गई। जांच में 6,066 स्कूली वाहन अनफिट पाए गए। इन वाहनों के खिलाफ नोटिस जारी करने की कार्रवाई की गई। वहीं प्रवर्तन टीमों ने 1,072 स्कूली वाहनों का चालान किया और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 356 वाहनों को बंद यानी सीज किया। अभियान के तहत अब तक 27,066 स्कूल वाहन चालकों का चरित्र सत्यापन कराया जा चुका है। परिवहन विभाग ने स्कूली वाहनों के चालकों की सुरक्षा जांच को लेकर सभी संबंधित स्कूलों को निर्देश दिए हैं। परिवहन विभाग ने यूपी बोर्ड, सीबीएसई बोर्ड, आईसीएसई बोर्ड, यूपी मदरसा शिक्षा बोर्ड व अन्य बोर्ड के स्कूलों को बस और वैन चालकों का पुलिस चरित्र सत्यापन और मेडिकल परीक्षण अनिवार्य रूप से कराने के सख्त निर्देश दिए हैं।

स्कूली बच्चों की सुरक्षा पर फोकस

अपर परिवहन आयुक्त (प्रवर्तन) केडी सिंह गौर ने बताया कि मिशन सेफ फ्यूचर समेत अन्य सभी अभियान के तहत परिवहन विभाग का जोर स्कूली वाहनों को फिट रखने और चालकों का सत्यापन कराने पर है। इसका उद्देश्य स्कूली बच्चों को सुरक्षित परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों व चालकों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करना है।

- परिवहन विभाग की जांच के बाद हाल में 1,072 स्कूली वाहनों का चालान और 356 वाहन सीज
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्ती के बाद स्कूली वाहन चालकों के सत्यापन पर जोर
- उत्तर प्रदेश में अब तक 27 हजार से ज्यादा स्कूली वाहन चालकों का हुआ चरित्र सत्यापन

कांग्रेस के पूर्व विधायक के भाई के ठिकानों पर छापा

विजिलेंस की कार्रवाई में मिली 28 करोड़ की बेनामी संपत्ति

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी विजिलेंस ने NHRM घोटाले के मुख्य आरोपी पूर्व विधायक मुकेश कुमार श्रीवास्तव के सगे भाई अजय कुमार श्रीवास्तव के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में बुधवार को तीन ठिकानों पर छापेमारी की। सर्च के दौरान करीब 28 करोड़ रुपए की बेहिसाब संपत्ति का पता चला है।

जब यूपी में NHRM घोटाला हुआ था, उस समय अजय कुमार श्रीवास्तव बलरामपुर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में लिपिक थे। सतर्कता विभाग की खुली जांच में उनके पास आय से 763.65% ज्यादा संपत्ति पाए जाने पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अयोध्या सेक्टर थाने में दर्ज किया गया था।

शासन के निर्देश पर विवेचना

सतर्कता अधिष्ठान अयोध्या सेक्टर कर रहा है। मामले की जांच में कोर्ट से सर्च वॉरंट लेकर तीन टीमों ने गोंडा और लखनऊ के इन ठिकानों पर छापा मारा।

अजय पयागपुर (बहराइच) के रहने वाले हैं। 19 अगस्त को उनके तीन ठिकानों पर विजिलेंस टीमें पहुंची। इनमें गोंडा का जानकीनगर स्थित आवास, लखनऊ में मटियारी तिराहे के पास मिलेनिया रिजेन्सी होटल और इंदिरानगर स्थित मकान शामिल हैं।तलाशी के दौरान अजय और उनके परिवार के नाम पर बड़ी संख्या में चल-अचल संपत्ति के दस्तावेज मिले।

अपील : जापानी तकनीक का लाभ छोटे किसानों तक पहुंचाएं, कृषि लागत घटाकर उत्पादकता बढ़ाएं: शिवराज

'जापानी तकनीक का लाभ छोटे किसानों तक पहुंचाएं'

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश और जापान के बीच निवेश, तकनीक और औद्योगिक सहयोग को नई गति देने के उद्देश्य से आयोजित यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट-2026 में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि क्षेत्र में जापानी तकनीक और विशेषज्ञता का लाभ भारतीय किसानों तक पहुंचाने पर जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने उत्तर प्रदेश को जापानी कंपनियों के निवेश के लिए मजबूत डेस्टिनेशन बताया। उन्होंने कहा कि भारत और जापान की साझेदारी केवल निवेश

तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसका लाभ किसानों, युवाओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था तक पहुंचना चाहिए। भारत में विशाल बाजार, बड़ी युवा आबादी और कृषि क्षेत्र की व्यापक संभावनाएं हैं। ऐसे में जापान के साथ तकनीकी और औद्योगिक सहयोग से कृषि में नई संभावनाओं के द्वार खुल सकते हैं। उन्होंने जापानी उद्योग और संस्थानों से ऐसी तकनीक और मशीनरी विकसित करने का आग्रह किया, जो छोटे और सीमांत किसानों के लिए भी उपयोगी और आसानी से उपलब्ध हो। कृषि मंत्री ने कहा कि आज जरूरत ऐसी तकनीक की है, जिससे किसानों की उत्पादकता बढ़े, पानी की खपत और उत्पादन लागत कम हो तथा किसानों की आय में वृद्धि हो। कृषि क्षेत्र में होने वाली रिसर्च का सीधा लाभ खेत तक पहुंचना चाहिए। रिसर्च केवल पेपर तक सीमित न रहे, बल्कि उसे ऐसे उत्पाद और तकनीक में बदला जाए, जिसे किसान आसानी से अपना सकें।

यूपी का महत्वपूर्ण पार्टनर है जापान

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश अपनी बड़ी कंज्यूमर मार्केट, कुशल मानव संसाधन, बेहतर कनेक्टिविटी, तेजी से विकसित होते इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश-अनुकूल नीतियों के कारण वैश्विक निवेश के लिए मजबूत डेस्टिनेशन बनकर उभरा है। जापान उत्तर प्रदेश का विशेष और महत्वपूर्ण पार्टनर है तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की हालिया जापान यात्रा ने दोनों पक्षों के संबंधों को और मजबूत किया है। उत्तर प्रदेश में शक्ति, परंपरा, प्रतिभा, इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश, इनोवेशन और बड़े बाजार की क्षमता मौजूद है। उन्होंने जापानी उद्योग जगत का आह्वान करते हुए कहा कि जापान की तकनीकी विशेषज्ञता और उत्तर प्रदेश के टैलेंट एवं बाजार की संभावनाओं को साथ लाकर रोजगार, इनोवेशन और सस्टेनेबल ग्रोथ के असीमित नए अवसर पैदा किए जा सकते हैं।

- यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट में केंद्रीय कृषि मंत्री ने कृषि क्षेत्र में तकनीकी सहयोग बढ़ाने का किया आह्वान
- जापान समेत वैश्विक निवेश के लिए मजबूत डेस्टिनेशन बना है उत्तर प्रदेश
- छोटे और सीमांत किसानों के लिए उपयोगी मशीनरी विकसित करने पर जोर, गांव के युवाओं को रोजगार से जोड़ने की अपील

उत्तर प्रदेश के प्रति जापानी उद्योग जगत का भरोसा बढ़ा

भारत-जापान के रिश्तों में नई मजबूती, यूपी के साथ बढ़ रही रणनीतिक साझेदारी: सुरेश खन्ना

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मजबूत कानून-व्यवस्था, विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश अनुकूल नीतियों ने उत्तर प्रदेश को सबसे संभावनाशील निवेश स्थलों में शामिल कर दिया है। जापान अब प्रदेश की विकास यात्रा में केवल निवेशक नहीं, बल्कि दीर्घकालिक और रणनीतिक साझेदार के रूप में आगे बढ़ रहा है।

नई दिल्ली के ताज पैलेस में आयोजित उत्तर प्रदेश-जापान निवेश सम्मेलन 2026 को संबोधित करते हुए सुरेश खन्ना ने कहा कि भारत और जापान के संबंध साझा मूल्यों, समान दृष्टिकोण और परस्पर प्राथमिकताओं के आधार पर

लगातार मजबूत हो रहे हैं। जापान से आए बड़े प्रतिनिधिमंडल की भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि उत्तर प्रदेश के प्रति जापानी उद्योग जगत का भरोसा बढ़ा है। उन्होंने यामानाशी प्रांत के गवर्नर कोटारो नागासाकी सहित जापानी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया।

सुरेश खन्ना ने कहा कि सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, बेहतर कनेक्टिविटी, विशाल उपभोक्ता बाजार, कुशल मानव संसाधन, नीति आधारित सुशासन और तेजी से विकसित हो रहा आधारभूत ढांचा यूपी की बड़ी ताकत हैं। 'निवेश मित्र' जैसी व्यवस्थाओं ने कारोबार की राह आसान की है और निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने की प्रक्रिया को गति दी है।

उन्होंने कहा कि गत दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जापान यात्रा से दोनों पक्षों के बीच औद्योगिक और संस्थागत संवाद को नई गति मिली है। अब ग्रीन हाइड्रोजन, ऑटोमोबाइल, एडवांस मैन्युफैक्चरिंग, टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और हेल्थकेयर जैसे क्षेत्रों में नई संभावनाएं बन रही हैं।

औरैया में वकील और उनकी टीचर बहन की सरेआम गोली मारकर हत्या की थी दोनों की मौके पर ही मौत हो गई थी

सजा : सपा के पूर्व एमएलसी दो भाइयों समेत 10 को उम्रकैद

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

औरैया। औरैया के बहुचर्चित वकील मंजुल चौबे और उनकी टीचर बहन की हत्या के मामले में 6 साल बाद फैसला आया। बुधवार दोपहर 2 बजे MP-MLA कोर्ट ने सपा के पूर्व MLC कमलेश पाठक, उनके दो सगे भाइयों समेत 10 आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। 15 जनवरी 2020 को मंजुल और उनकी बहन सुधा की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या की गई थी। उनके घरवालों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा था। वारदात की सूचना पर पहुंची पुलिस पर भी हमला किया था। इस मामले में

पुलिस ने 10 दोषियों समेत 19 लोगों पर केस कराया था। इसमें से 11 लोगों को 7-7 की सजा सुनाई है, जबकि 7 साल को बरी कर दिया है। एक आरोपी नाबालिग है, उसका मुकदमा जुबेनाइल कोर्ट चल रहा है। कमलेश और मंजुल पहले दोस्त हुआ करते थे। दोनों के बीच विवाद मंदिर की एक बीघा जमीन को लेकर हुआ था। कमलेश पाठक जमीन पर कब्जा करना चाहते थे, जबकि मंजुल चौबे इसका विरोध कर रहे थे। इसी विवाद के बाद दोनों दोस्तों के बीच दुश्मनी हो गई थी। पुलिस के मुताबिक,

वारदात वाले दिन कमलेश उसी जमीन पर कुर्सी डालकर बैठे थे। तभी मंजुल के पिता ने उन्हें बुरा-भला कहा और कुर्सी से गिरा दिया। विवाद होता देख दोनों परिवारों के लोग मौके पर पहुंच गए। कमलेश का भाई संतोष और गनर भी वहां आ गए। विवाद बढ़ने पर गनर ने मंजुल के पिता को गिराकर पीटा। इसी बीच कमलेश और उनके पूर्व ब्लॉक प्रमुख भाई संतोष ने फायरिंग शुरू कर दी। गोली लगने से मंजुल और उनकी बहन सुधा जमीन पर गिर पड़े। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

पिछले 6 साल में मामले में 900 से ज्यादा तारीखें पड़ीं। दोनों पक्षों की ओर से 72 गवाह पेश किए गए। मंजुल के परिवार की तरफ से 33 और कमलेश की तरफ से 39 गवाहों ने गवाही दी। आखिरकार मंजुल के परिवार को इंसाफ मिला।

तस्वीर वकील मंजुल चौबे और उनकी टीचर बहन सुधा की है। पूर्व MLC ने दिनदहाड़े दोनों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई थी।

दो जिगरी दोस्त कैसे बन गए जानी दुश्मन

औरैया के भड़ारीपुर गांव के रहने वाले कमलेश पाठक और मंजुल चौबे पहले बहुत अच्छे दोस्त थे। लोग मंजुल को कमलेश पाठक की परछाई तक कहते थे। जब मंजुल चौबे औरैया के तिलक महाविद्यालय से छात्र संघ अध्यक्ष चुने गए, तब कमलेश पाठक उनके सबसे बड़े मददगार के रूप में साथ खड़े रहे। इस दोस्ती में दरार 2006 के नगर पालिका चुनाव के दौरान आई। मंजुल चौबे चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन उन्हें कमलेश पाठक का सहयोग नहीं मिला। यहीं से दोनों के बीच दूरियां बढ़ने लगीं। बाद में मंजुल चौबे भाजपा नेताओं के करीब आ गए, जबकि कमलेश सपा समर्थक थे।

इसी बीच कमलेश पाठक गांव के पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास स्थित एक बीघा जमीन पर दावा करने लगे। मंजुल ने इसका खुलकर विरोध किया। यहीं से दोनों की पुरानी दोस्ती धीरे-धीरे वर्चस्व की जंग में बदल गई।

50 साल पुराने गंगापुल पर 100 से अधिक गड्ढे

कानपुर में हर दिन गुजरते 40 हजार वाहन

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर का 50 साल पुराना जाजमऊ गंगापुल अब कांपता नजर आता है। कानपुर-उन्नाव को जोड़ने वाले इस पुल पर 100 से अधिक गड्ढे हैं। कई जगह सड़क टूटने से सरिया बाहर निकल आई है। रोज करीब 40 हजार वाहन इसी पुल से गुजरते हैं।

एनएचएआई अब पुल की मरम्मत के लिए 1 सितंबर से 90 दिन के लिए बंद करेगा। इसके लिए कानपुर, उन्नाव और लखनऊ के डीएम और एसपी को डायवर्जन के लिए लेटर भेजा है।

एनएचएआई के परियोजना निदेशक पंकज यादव ने कहा-डायवर्जन की रूपरेखा तैयार है लेकिन अभी सावन माह की वजह से इस पुल से कांवड़ियों का आना-जाना रहता है। इस वजह से एक सितंबर

से डायवर्जन लेने के लिए पत्र भेजा है। पुल की व्यापक मरम्मत के दौरान इसे 90 दिन तक बंद रखने की तैयारी है। इससे उन्नाव से कानपुर, दिल्ली, झांसी और दूसरे शहरों की ओर जाने वाले वाहनों को लंबा वैकल्पिक रास्ता लेना पड़ सकता है। उन्नाव और कानपुर प्रशासन वाहनों के डायवर्जन के लिए वैकल्पिक मार्ग तलाश रहा है। पुल को इतने लंबे समय तक बंद रखना दोनों जिलों के लिए बड़ी चुनौती होगी। डायवर्जन का सबसे अधिक असर हमीरपुर और बांदा की ओर जाने वाले वाहनों पर पड़ेगा।

फास्ट न्यूज

आधे आगरा में झमाझम बारिश-सड़क पर भरा 2 फीट पानी

आगरा। आगरा में बुधवार शाम को आधे शहर में झमाझम बारिश हुई। इसकी वजह से कुछ सड़कों पर 2-2 फीट तक पानी भर गया। वहीं, कुछ क्षेत्रों में बूंदाबांदी होकर रह गई। इसकी वजह से उमसभरी गर्मी बरकरार है। 24 अगस्त तक ऐसा ही मौसम रहेगा। बुधवार सुबह से ही बादल छाये थे। शाम लगभग 5 बजे राजपुर चुंगी, शमशाबाद रोड, गोबर चौकी, इंद्रापुरम, नाई की मंडी आदि क्षेत्रों में झमाझम बारिश हुई।

आगरा में चाय बनाते समय गैस सिलेंडर फटा

आगरा। आगरा के थाना एकता क्षेत्र के खेड़ा पचगाई में बुधवार सुबह चाय बनाते समय सिलेंडर में धमाका हो गया। धमाका इतना तेज था कि घर की दीवारें और दरवाजे दूर जा गिरे। हादसे के समय घर में मौजूद लोग भागकर बाहर निकले तो जान बची। सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई।

खेड़ा पचगाई निवासी उदयभान पुत्र राधेश्याम के घर बुधवार सुबह करीब 7 बजे हादसा हुआ। उदयभान की बेटी सुबह उठकर चाय बनाने के लिए रसोई में गई और गैस पर चाय चढ़ा दी। इसी दौरान सिलेंडर से गैस रिसाव हो रहा था।

शिक्षणेतर कर्मचारियों का धरना

गाजीपुर । गाजीपुर में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षणेतर संघ के 552 कर्मचारियों ने बुधवार दोपहर 1 बजे जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय परिसर में एक दिवसीय धरना दिया। मंडल अध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में कर्मचारियों ने 11 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। धरने के बाद जिला विद्यालय निरीक्षक को मांगपत्र सौंपा गया। कर्मचारियों ने मांगों का जल्द समाधान नहीं होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी।

बाराबंकी में जमीनी विवाद में 55 वर्षीय हंसराज की हत्या

आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क पर किया प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी । बाराबंकी के कोठी थाना क्षेत्र के रेवती पुरवा गांव में जमीनी विवाद के चलते 55 वर्षीय हंसराज की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद बुधवार को गांव में आक्रोश फैल गया, जिसके बाद परिजन और ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

सैकड़ों ग्रामीणों ने धरना-प्रदर्शन किया, जिससे इलाके में तनाव की स्थिति बन गई। बताया जा रहा है कि जमीन का यह विवाद काफी समय से चल रहा था और मामला न्यायालय में भी विचाराधीन था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, भैंस को नाद पर बांधने को लेकर विवाद बढ़ा था। परिजनों के अनुसार, हंसराज पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के लिए कोठी थाने जा रहे थे। रास्ते में उन्हें गोली मार दी गई। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया है कि उन्हें वाहन से

कुचलने का प्रयास किया गया था। गंभीर रूप से घायल हंसराज को इलाज के लिए लखनऊ ले जाया गया, लेकिन उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया था। बुधवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने प्रदर्शन शुरू कर दिया। मौके पर तनाव को देखते हुए गांव में भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी तैनात किए गए हैं। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। प्रशासनिक अधिकारी ग्रामीणों को समझाने और प्रदर्शन समाप्त कराने का प्रयास कर रहे हैं।

बृजभूषण शरण सिंह बोले- लखनऊ हमारा घर है, काफिले शहीद पथ जाम

'धर्मेंद्र प्रधान बहुत अच्छे आदमी हैं सिस्टम का दोष था'

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । महिला पहलवानों से जुड़े यौन उत्पीड़न मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से बरी होने के बाद पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह बुधवार को पहली बार लखनऊ पहुंचे। समर्थकों ने अमौसी एयरपोर्ट पर उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि लखनऊ हमारा घर है। पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान बहुत अच्छे आदमी हैं। उनका कोई दोष नहीं था। सिस्टम का दोष था। बृजभूषण शरण सिंह नई दिल्ली से फ्लाइट से लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचे। वे अलग-अलग कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इसके लिए समर्थकों के साथ एयरपोर्ट से निकल चुके हैं। उनके काफिले की

वजह से शहीद पथ पर भीषण जाम लग गया है। कार्यक्रम के मुताबिक, अब अंसल रॉयल्टी पहुंचेंगे। यहां अखिलेश सिंह से मुलाकात प्रस्तावित है। अंसल रॉयल्टी से निकलने के बाद आलमबाग नहर, पारा तिकुनिया, माकपा चौराहा, दुबग्गा और आईआईएम रोड होते हुए सीतापुर रोड पहुंचेंगे।

यहां फल एवं सब्जी मंडी में एमजीएम ट्रेडिंग कंपनी के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होंगे। फिर ताज पैलेस होटल के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। इसके बाद बाराबंकी, रौनाही, अयोध्या बाईपास होते हुए गोंडा के लिए रवाना होंगे।

बृजभूषण शरण सिंह आज लखनऊ के अलग-अलग कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इसके लिए वे समर्थकों के साथ एयरपोर्ट से निकल गए हैं।

बृजभूषण शरण सिंह के काफिले की वजह से शहीद पथ पर भीषण जाम लग गया।

पेपर लीक मामले में धर्मेंद्र प्रधान को दी क्लीन चिट

पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात के सवाल पर बृजभूषण सिंह ने बेबाकी से अपनी बात रखी। उन्होंने पेपर लीक का नाम लिए बगैर कहा कि धर्मेंद्र प्रधान बहुत अच्छे आदमी हैं। उनका दोष नहीं था। सिस्टम का दोष था।

दरअसल, पेपर लीक को लेकर दिल्ली में ZEN-जी छात्रों का जोरदार प्रदर्शन हुआ था। इसके बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हो गया था।

बृजभूषण शरण सिंह का काफिला अमौसी एयरपोर्ट से निकलकर शहीद पथ होकर गुजर रहा है। इसकी वजह से शहीद पथ पर भीषण जाम लग गया है।

कार सवारों ने बीच सड़क घेरकर हत्या की, मुकदमे को लेकर रंजिश थी

हथौड़े से पीट पीटकर युवक को मार डाला

तमसा संकेत, एजेंसी

हापुड़। हापुड़ में कार सवार हमलावरों ने एक युवक को हथौड़े और सरिया से पीट-पीटकर मार डाला। युवक अपने पिता के साथ बाइक से हापुड़ कचहरी जा रहा था। इसी दौरान हमलावरों ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी और दोनों को घेर लिया।

युवक के पिता किसी तरह आरोपियों से बचकर खेत में भाग गए, लेकिन हमलावरों ने उनके बेटे गौरव को पकड़ लिया। आरोपियों ने उसे जमीन पर गिराकर पीटा। गौरव हाथ जोड़कर उन्हें छोड़ने की मिन्नतें करता रहा, लेकिन आरोपी हथौड़े, सरिया और डंडों से उस पर वार करते रहे। एक राहगीर ने गौरव को

बचाने की कोशिश की तो हमलावरों ने उसे भी धमकाया। आरोपियों को जब लगा कि गौरव की मौत हो गई है, तो वे उसे छोड़कर फरार हो गए। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी और घायल गौरव को अस्पताल पहुंचाया। यहां इलाज के दौरान मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे उसकी मौत हो गई।

गौरव त्यागी (33) बाबूगढ़ थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर आजमपुर गांव के रहने वाले थे। परिवार में पत्नी रेशु, बेटा आरव (11), बेटी गोरा (7) और पिता फतेह सिंह त्यागी हैं। गौरव के पिता खेती-किसानी करते हैं। वह अपने माता-पिता के इकलौते बेटे थे। गौरव त्यागी के पिता फतेह सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि मंगलवार सुबह करीब 9:30 बजे वह बेटे गौरव के साथ मुकदमे की पैरवी के लिए हापुड़ कचहरी जा रहे थे। दोनों बाइक से दिनेश विद्यापीठ-धनौरा के पास पहुंचे थे।

पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि गौरव के पिता एक पुराने मुकदमे की पैरवी कर रहे थे। इसी को लेकर आरोपी पक्ष से उनका विवाद चल रहा था। घटना देहात थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह करीब 10 बजे हुई। पुलिस ने देर रात मामले में दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया। वहीं, फरार तीन आरोपियों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है।

राहगीरों ने मारपीट का वीडियो बनाया

गौरव को जब हमलावर पीट रहे थे, इस दौरान वहां से गुजर रहे लोगों ने मारपीट का वीडियो बना लिया। कुछ राहगीरों ने गौरव को बचाने की कोशिश की तो हमलावरों ने उन्हें भी जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद मौके से भाग निकले। राहगीरों से सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। गंभीर रूप से घायल गौरव को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से डॉक्टरों ने उन्हें मेरठ रेफर कर दिया। इलाज के दौरान दोपहर करीब 3 बजे गौरव की मौत हो गई।

काशी में अपनी बैटरी चार्ज करने आता हूं : अनूप जलोटा

रामायण सम्मान से हुई सम्मानित, बिहार में बनेगा माता सीता का मंदिर

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । गोस्वामी तुलसीदास की जयंती के अवसर पर काशी में रामायण रिसर्च काउंसिल की ओर से रामायणी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। काशी हिंदू विश्वविद्यालय में आयोजित समारोह में भारतीय संस्कृति, अध्यात्म, साहित्य और रामायण परंपरा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली देशभर की 28 विभूतियों को सम्मानित किया गया।

समारोह में सम्मान प्राप्त करने के बाद पद्मश्री अनूप जलोटा ने काशी से अपने लगाव को साझा किया। उन्होंने कहा कि रामायणी सम्मान प्राप्त करने वाले सभी लोगों में वह भी एक हैं। काशी आने के लिए उन्हें किसी खास अवसर या बहाने की

जरूरत नहीं होती।

उन्होंने कहा, "मुझे तो बहाने चाहिए होते हैं काशी आने के। महादेव के दर्शन के बाद और यहां की वायु सांसों में आ जाने से बैटरी चार्ज हो जाती है। बस उसी के लिए हम यहां आते हैं। इसके बाद अनूप जलोटा ने अपने लोकप्रिय भजन 'ऐसी लागी लगन...' की प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के सरगुजा से सांसद चिंतामणि महाराज ने कहा कि वर्तमान समय में समाज में बेहतर कार्य करने वाले लोगों को लगातार प्रोत्साहन देना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि युवाओं और आने वाली पीढ़ी को सही दिशा देने की जरूरत है। ऐसे सम्मान समारोह समाज में सकारात्मक कार्य करने वाले लोगों को पहचान दिलाने के साथ दूसरों को भी प्रेरित करते हैं। चिंतामणि महाराज ने कहा कि वह अपने प्रदेश छत्तीसगढ़ में भी रामायणी सम्मान समारोह आयोजित कराने के लिए हरसंभव पहल करेंगे। उनका प्रयास रहेगा कि समाज, संस्कृति और राष्ट्र के लिए बेहतर कार्य करने वाले लोगों को सामने लाकर उनका सम्मान किया जाए।

पृष्ठ 01 का शेष...

यूपी-जापान की ...

पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में आए बदलाव को निवेशक स्वयं देख सकते हैं। कानून-व्यवस्था, कनेक्टिविटी, इंफ्रास्ट्रक्चर, औद्योगिक वातावरण और निवेश के लिए तैयार नीतियों से आए बदलाव ने उत्तर प्रदेश की नई तस्वीर पेश की है। सरकार की कार्यप्रणाली में आया यह बदलाव निवेशकों को भी दिखाई देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पास बड़ी संख्या में युवा मैनपावर है। सरकार युवाओं को उद्योगों की जरूरत के अनुरूप कौशल और कौशल विकास के अवसर उपलब्ध करा रही है। इससे निवेशकों को प्रशिक्षित और सक्षम मानव संसाधन उपलब्ध होगा। प्रदेश में बदलते औद्योगिक परिदृश्य के अनुरूप इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी, कुशल मैनपावर और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को लगातार मजबूत किया जा रहा है। इसका सीधा लाभ प्रदेश में निवेश करने वाली कंपनियों को मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने इस इन्वेस्टमेंट मीट को उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास और निवेश के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे संवाद के माध्यम से सरकार को उद्योग जगत की अपेक्षाओं और जरूरतों को समझने का मौका मिलता है, वहीं निवेशकों को प्रदेश में उपलब्ध संभावनाओं और सुविधाओं की जानकारी मिलती है। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि प्रमुख उद्योग समूहों की उत्तर प्रदेश में बढ़ती दिलचस्पी से प्रदेश में नए निवेश, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को और गति मिलेगी।

आजम खान की ...

आरोप है कि इन पैसों का इस्तेमाल यूनिवर्सिटी की संपत्तियां बनाने और दूसरे कामों में किया गया। अब यह पता लगाया जा रहा कि सरकारी ठेकों का पैसा किन लोगों और कंपनियों के जरिए ट्रस्ट या यूनिवर्सिटी तक पहुंचा।

पिछले कुछ दिनों से जौहर यूनिवर्सिटी सुर्खियों में है। 15 जुलाई को रामपुर डीएम ने यूनिवर्सिटी की 40 में से 38 इमारतों को ढहाने का आदेश दिया था। कहा था- यूनिवर्सिटी प्रशासन ने बिना नक्शा पास कराए इमारतों का निर्माण कराया। हालांकि, मुरादाबाद के कमिश्नर आन्जनेय सिंह के कोर्ट ने रामपुर डीएम के आदेश पर रोक लगा दी थी। मामला फिलहाल कोर्ट में है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने छापेमारी को लेकर सरकार पर निशाना साधा। राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण, एक्सप्रेसवे, पुल, सड़क, टंकी और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में कथित भ्रष्टाचार समेत कई मुद्दे गिनाए और सरकार से सवाल किया कि इन मामलों में ED की कार्रवाई क्यों नहीं होती।

जुलाई 2019- ईडी ने पहली बार छापेमारी की थी। यूनिवर्सिटी में सर्च ऑपरेशन और दस्तावेज जब्त किए थे। भाजपा नेता आकाश सक्सेना ने शिकायत की थी कि सरकारी ठेकों के पैसों को ट्रस्ट और यूनिवर्सिटी के निर्माण में लगाया गया। सितंबर 2023- इनकम टैक्स और ईडी ने आजम के आवास और जौहर यूनिवर्सिटी के ठिकानों पर 3 दिनों तक छापेमारी की थी। इसके बाद संदिग्ध बैंक लेनदेन की जानकारी मिलने पर ED ने समन जारी किए।

वंदे मातरम के दो ही ...

हमारा ध्यान तीन-चार मुद्दों पर है। पहला मुद्दा पेपर लीक का है। देश के लोगों ने इसके खिलाफ जो आंदोलन किया और सरकार ने जिस तरह उस आंदोलन से निपटा, उस पर चर्चा हुई।

साथ ही CWC ने माना कि संसद का मानसून सत्र विपक्ष के लिए सफल रहा और केंद्र सरकार बैकफुट पर रही।

वेणुगोपाल ने कहा- चंदा चोरी देश के लोगों के बीच चिंता का गंभीर मुद्दा है। यह लोगों की भावनाओं से जुड़ा मामला है। जिन्होंने लोगों को बांटने के लिए राम मंदिर का इस्तेमाल किया, वे अब बेनकाब हो चुके हैं।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी छात्रों की मांगें उठाते रहेंगे। इसके तहत 800 शहरों में सभाएं की जाएंगी।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने पार्टी के मुख्यमंत्रियों से शिक्षा विशेषज्ञों के साथ काम करने को कहा है। उनसे शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था में बदलाव के लिए रोडमैप तैयार कर रिपोर्ट देने को कहा गया है।

वेणुगोपाल ने कहा कि बैठक में अरुणाचल प्रदेश में 'चीनी घुसपैठ' के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि इस मामले को लेकर पार्टी की चिंता बैठक में रखी गई।

मैं लड़ाई में आदिवासी ...

मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट और वीडियो साझा कर आंदोलन कारियों के संघर्ष का समर्थन किया। उन्होंने कहा- अपने जायज हक की लड़ाई लड़ रहे बुंदेलखंड के निवासी सम्मान और समर्थन के हकदार हैं।

राहुल ने भरोसा दिलाया कि आदिवासी परिवारों की इस लड़ाई में वे और कांग्रेस पार्टी उनके साथ खड़ी है। उन्होंने आंदोलन कारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके मुद्दों को आगे उठाने की बात कही। आंदोलन कारियों ने राहुल गांधी को बताया कि केन-बेतवा प्रोजेक्ट से पन्ना और छतरपुर जिले के बड़ी संख्या में परिवार प्रभावित हो रहे हैं। उनका कहना है कि प्रोजेक्ट के चलते आदिवासी समुदाय को विस्थापन और आजीविका से जुड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रभावित परिवारों ने भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और अपने अधिकारों से जुड़े मुद्दे भी उठाए। आंदोलन कारियों का दावा है कि कई परिवारों को भूमि के बदले भूमि और कानून के तहत मिलने वाले पुनर्वास अधिकार पर्याप्त रूप से नहीं मिले हैं।

आंदोलनकारियों ने प्रोजेक्ट से पन्ना टाइगर रिजर्व के वन क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभाव का मुद्दा भी उठाया। उनके अनुसार, प्रोजेक्ट के कारण बड़े पैमाने पर वन क्षेत्र प्रभावित होगा और पेड़ों की कटाई से पर्यावरण को नुकसान पहुंचने की आशंका है। उन्होंने ग्राम सभा की सहमति और प्रशासनिक प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए।

'बच्चों को प्रॉपर्टी से ...

उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में हाईकोर्ट के उस फैसले के खिलाफ अपील की थी, जिसमे अपने बेटे और बहू को घर से निकालने के SDM और जिला मजिस्ट्रेट के आदेश को रद्द कर दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 2007 के कानून की धारा 7 के तहत मेंटेनेंस ट्रिब्यूनल बनाए गए हैं। धारा 8 के तहत उन्हें कुछ मामलों में सिविल कोर्ट जैसी शक्तियां हासिल हैं।

वहीं, धारा 27 सिविल कोर्ट के अधिकार क्षेत्र को सीमित करती है। ऐसे में कानून के उद्देश्य को पूरा करने के लिए ट्रिब्यूनल जरूरी और सहायक आदेश जारी कर सकता है।

'जेवर मिले नहीं, मौत ...

किसी निर्दोष को फंसाने का सवाल नहीं है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

फिलहाल मामले की जांच दो अहम बिंदुओं पर टिकी है—मौत का वास्तविक कारण और एफआईआर में दर्ज गायब सामान की बरामदगी। दोनों पर तस्वीर जांच और वैज्ञानिक रिपोर्ट आने के बाद ही साफ होगी।

निर्णय : मोदी सरकार ...

हालांकि, मंत्रियों के यूनिवर्सिटी दौरे का पूरा कार्यक्रम अभी सामने नहीं आया है। बैठक में मंत्रियों की सोशल मीडिया पोस्ट की पहुंच पर भी चर्चा हुई। इसमें खासतौर पर युवा लोगों तक संदेश पहुंचाने के लिए ज्यादा मेहनत करने की बात कही गई।

दिल्ली में 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया था। इसके बाद सरकार को बड़े विरोध का सामना करना पड़ा और विपक्ष ने संसद के मानसून सत्र की कार्यवाही में रुकावट डाली। इसके बाद ही 25 जुलाई को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हुआ था। NEET पेपर लीक पर जंतर-मंतर पर हो रहे विरोध प्रदर्शन के बीच पीएम मोदी ने कई बार सोशल मीडिया पर वीडियो जारी किया था।

सिंक्विफील्ड कप में मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव को हराया, वेस्ली सो के साथ टॉप पर

आर प्रज्ञानानंदा ग्रैंड चेस टूर के फाइनल में पहुंचे

मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने 2026 ग्रैंड चेस टूर (GCT) के फाइनल में जगह पक्की कर ली है। उन्होंने सिंक्विफील्ड कप के 8वें राउंड में फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव (MVL) को काले मोहरों से 27 चाल में हरा दिया। इस जीत से प्रज्ञानानंदा के 5 अंक हो गए और वे अमेरिका के वेस्ली सो के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर पहुंच गए। राउंड-8 के बाद प्रज्ञानानंदा और वेस्ली सो के 5-5 अंक हैं। दोनों संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं। जावोखिर सिंदारोव 4.5 अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि फैबियानो कारुआना और MVL के 4-4 अंक हैं। अब टूर्नामेंट में सिर्फ एक राउंड बाकी है। सिंकफील्ड कप 10 खिलाड़ियों का 9 राउंड का टूर्नामेंट है। राउंड-8 के बाद वेस्ली सो और आर प्रज्ञानानंदा 5-5 अंक के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं। जावोखिर सिंदारोव और विंसेंट केमर 4.5-4.5 अंक के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। फैबियानो कारुआना, लेवोन एरोनियन, मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव और सैम सेवियन के 4-4 अंक हैं। अब सिर्फ एक राउंड बाकी है। इसलिए आखिरी राउंड में खिताब की रेस बेहद रोचक होगी। प्रज्ञानानंदा और वेस्ली सो के बीच सिर्फ आधे अंक का नहीं, बल्कि बराबरी का मुकाबला है दोनों के 5-5 अंक हैं। वहीं 4.5 अंक वाले सिंदारोव और केमर भी खिताब की रेस में बने हुए हैं।

सेंट लुइस में होगा जीसीटी फाइनल

ग्रैंड चेस टूना का फाइनल 21 से 28 अगस्त तक सेंट लुइस चेस क्लब में खेला जाएगा। टूर के टॉप-4 खिलाड़ी नॉकआउट फॉर्मेट में खिताब के लिए मुकाबला करेंगे। प्रज्ञानानंदा ने सेंट लुइस रैपिड एंड ब्लिट्ज का खिताब जीतकर भी टूर में अहम अंक जुटाए थे।

> प्रज्ञानानंदा और एमवीएल के बीच मुकाबले की शुरुआत रुई लोपेज ओपनिंग से हुई। प्रज्ञानानंदा ने काले मोहरों से खेलते हुए शुरुआती दौर में स्थिति को संतुलित रखा। इसके बाद उन्हें धीरे-धीरे बढ़त मिली और 27वीं चाल के बाद एमवीएल ने मुकाबला छोड़ दिया।

दिव्या देशमुख 4 अंक के साथ संयुक्त 5वें स्थान पर

चीन की ग्रैंडमास्टर तान झोंगयी ने केर्न्स कप शतरंज टूर्नामेंट के 8वें राउंड में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। उन्होंने कजाकिस्तान की बिबिसारा अस्साउबायेवा को हराकर अपने अंक 6.5 कर लिए। अब तान खिताब से सिर्फ आधा अंक दूर हैं। अमेरिका की 16 साल की इंटरनेशनल मास्टर (IM) एलिस ली 5.5 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

राउंड-8 के बाद स्टैंडिंग

1	वेस्ली सो	5 अंक, संयुक्त पहला
2	आर प्रज्ञानानंदा	5 अंक, संयुक्त पहला
3	जावोखिर सिंदारोव	4.5 अंक, संयुक्त तीसरा
4	विंसेंट केमर	4.5 अंक, संयुक्त तीसरा
5	फैबियानो कारुआना	4 अंक
6	लेवोन एरोनियन	4 अंक
7	मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव	4 अंक
8	सैम सेवियन	4 अंक
9	अनिश गिरी	3.5 अंक
10	जॉर्डन वान फोरेस्ट	1.5 अंक

भारत 600वें टेस्ट में जीता श्रीलंका 165 रन से हारा

मानव सुथार ने मैच में 10 विकेट लिए

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में श्रीलंका को 165 रन से हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। यह भारत का 600वां टेस्ट मैच था।

भारत की जीत के हीरो 24 साल के लेफ्ट आर्म स्पिनर मानव सुथार रहे। उन्होंने श्रीलंका की दूसरी पारी में 6 विकेट सहित मैच में 10 विकेट लिए। देवदत्त पडिक्कल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने इस मैच में कुल 211 रन बनाए। पडिक्कल ने पहली पारी में 167 और दूसरी पारी में 44 रन की पारी खेली। मैच के पांचवें दिन बुधवार को दूसरी पारी में श्रीलंका का स्कोर 75 ओवर में 6 विकेट पर 199 रन था। सुथार ने अगले ओवर में तीन विकेट लेकर भारत की जीत लगभग तय कर दी। इस ओवर में सुथार ने सोनल दिनुषा, प्रभात जयसूर्या और लाहिरु कुमारा को आउट किया। श्रीलंका का स्कोर 9 विकेट पर 199 रन हो गया। सुथार ने अपने अगले ओवर में केशरा नुवांथा को आउट कर श्रीलंका की पारी समेट दी।

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। देवदत्त पडिक्कल ने तीसरे नंबर पर उतरकर 230 गेंद में 167 रन बनाए। उनकी पारी में 15 चौके और एक छक्का था। उन्होंने केएल राहुल के साथ 162 रन की साझेदारी की।

केएल राहुल ने 82, ध्रुव जुरेल ने 51 और ऋषभ पंत ने 39 रन बनाए। भारत ने 462 रन बनाए।

वर्ल्डकप में भारतीय विमेंस हॉकी टीम की सबसे बड़ी जीत

साउथ अफ्रीका को 6-1 से हराया, 52 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने विमेंस हॉकी वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका को 6-1 से हरा दिया। टीम इस जीत के साथ पुल-D के पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई है। टॉप-8 में पहुंचने के लिए टीम को आखिरी मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ ड्रॉ खेलना होगा। हारने कि स्थिति में चीन के खिलाफ साउथ अफ्रीका के जीत की दुआ करनी होगी। भारत की यह जीत विमेंस वर्ल्ड कप में उसकी अब तक की सबसे बड़ी जीत है। भारतीय महिलाओं ने इससे पहले इस टूर्नामेंट में अपनी सबसे बड़ी जीत 1974 में स्पेन के खिलाफ दर्ज की थी। तब भारतीय विमेंस टीम ने 4-1 से जीत हासिल की थी।

एम्सटेलवीन में खेले गए पूल-D के मुकाबले में पहले क्वार्टर में सुनेलिता टोप्पो ने गोल कर भारत का खाता खोला। इसके बाद नवनीत कौर और सुशीला चानू के गोल से भारत ने 3-0 से बढ़त बनाई। फिर दीपिका, लालरेम-सियामी और साक्षी राणा ने गोल कर स्कोर 6-0 कर दिया। साउथ अफ्रीका के लिए एकमात्र गोल डी वाल कायला ने 55वें मिनट में किया।

भारत ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत भी तेज की। 17वें मिनट में नवनीत कौर ने पेनल्टी कॉर्नर पर शानदार गोल किया। उन्होंने एंगल बदलते हुए लो और तेज शॉट लगाया, जिसे साउथ अफ्रीकी गोलकीपर रोक नहीं सकीं। इसके साथ भारत की बढ़त 2-0 हो गई। इसके बाद भारत ने साउथ अफ्रीका पर दबाव बनाए रखा। लगातार सर्कल एंट्री और तेज पासिंग के जरिए भारतीय टीम गोल के मौके बनाती रही। 24वें मिनट में भारत को लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले।

25वें मिनट में भारत ने तीसरा गोल किया। दीपिका के ड्रैगफ्लिक को साउथ अफ्रीका की पहली रशर से डिफ्लेक्शन मिला और गेंद सुशीला के पास पहुंची। सुशीला ने मौके का फायदा उठाते हुए गेंद को गोल में पहुंचा दिया।

2036 ओलिंपिक में टॉप-10, 2048 में टॉप-5 आने का टारगेट, पिछली बार 71वां नंबर था

सरकार 5 साल में खेलों पर ₹36,441 करोड़ खर्चेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत सरकार अगले 5 साल में खेलों में 36,441 करोड़ रुपए खर्च करेगी। भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) ने मंगलवार को बताया कि खेलो इंडिया योजना के तहत यह पैसा 2026 से 2031 तक खर्च किया जाएगा।

सरकार ने बजट जारी करने के साथ ओलिंपिक के लिए मेडल टारगेट भी तय किए हैं। सरकार का लक्ष्य 2036 ओलिंपिक की मेडल लिस्ट के टॉप-10 और 2048 ओलिंपिक में टॉप-5 देशों में जगह बनाना है। भारत 2036 ओलिंपिक की मेजबानी करना चाहता है, जबकि 2048 ओलिंपिक में भारत की आजादी के 100 साल पूरे हो चुके होंगे। भारत ने पेरिस ओलिंपिक 2024 में सिर्फ 6 मेडल जीते थे। मेडल टेली में भारत 71वें स्थान पर था। 2036 में 12-14 गोल्ड समेत कुल 30-35 मेडल और 2048 में 35-40 गोल्ड समेत कुल 90-100 मेडल जीतने का लक्ष्य रखा गया है। इसे हासिल करने के लिए प्रतिभाओं की पहचान, खेल ढांचे में सुधार, कोचिंग की क्वालिटी बढ़ाने, खेल विज्ञान और टेक्नोलॉजी पर फोकस किया जाएगा। रिवैंप्ड योजना के तहत केंद्र और राज्य के बीच खर्च बांटने का अनुपात 60:40 रखा गया है। इसमें 30 हजार खिलाड़ियों को सहयोग देने का प्लानिंग है। SAI रीजनल सेंटर मुंबई ने एक रिलीज में कहा कि रिवैंप्ड खेलो इंडिया योजना महाराष्ट्र के मौजूदा स्पोर्ट्स इको सिस्टम को मजबूत करने का मौका देगा।

पेरिस ओलिंपिक में भारत ने 6 मेडल जीते थे। PM मोदी सभी ओलिंपिक मेडलिस्ट से मिले थे।

खिलाड़ियों की संख्या 10 गुना करने का लक्ष्य

SAI रीजनल सेंटर मुंबई के क्षेत्रीय निदेशक पांडुरंग चाटे ने कहा कि रिवैंप्ड खेलो इंडिया योजना का मकसद अलग-अलग योजनाओं के बजाय खिलाड़ियों के लिए पूरी खेल यात्रा तैयार करना है। रिवैंप्ड योजना का बजट 8 गुना बढ़ाने का लक्ष्य है। 2026 से 2031 के बीच योजना के तहत मदद पाने वाले खिलाड़ियों की संख्या भी 10 गुना बढ़ाई जाएगी।

मनोरंजन

आएशा खान ने शेयर कीं सगाई की तस्वीरें

मिस्ट्री मैन के साथ डायमंड रिंग फ्लॉन्ट की, करण औजला से जुड़ा नाम

नई दिल्ली। रणवीर सिंह की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर' के हिट गाने 'शरारत' में नजर आईं आयशा खान सगाई की तस्वीरों से सुर्खियों में आ गई हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में सोशल मीडिया पर सगाई की थीम जैसी तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वो डायमंड रिंग भी फ्लॉन्ट करती दिखी हैं। हालांकि कई फैंस का मानना है कि ये उनके किसी गाने का पब्लिसिटी स्टंट हो सकता है। वहीं कुछ लोग तस्वीरों में दिखे मिस्ट्री मैन की तुलना सिंगर करण औजला से कर रहे हैं।

आएशा खान ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा है, एक सपना।

आएशा खान की ये तस्वीरें किसी जूलरी ब्रांड का प्रमोशन हो सकती हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट के कैप्शन में एक जूलरी ब्रांड को मेंशन करते हुए लिखा है, अपनी परफेक्ट डायमंड एंगेजमेंट रिंग यहां पाइए।

'धुरंधर' के गाने 'शरारत' में आयशा खान क्रिस्टल डिसूजा के साथ नजर आई थीं। गाना जबरदस्त हिट रहा और आएशा को देश भर में पहचान मिल गई। इस गाने को यूट्यूब पर 810 मिलियन व्यूज मिल चुके हैं।

आएशा खान की पोस्ट में राखी सावंत, अर्चना गौतम, रश्मि देसाई जैसे सेलेब्स ने उन्हें कमेंट कर बधाई दी। रश्मि ने लिखा है, दुआ है तुम्हारे सारे सपने पूरे हों। वहीं अर्चना ने आएशा को मुबारकबाद दी।

पिंकविला को दिए एक इंटरव्यू में आयशा ने कहा था, 'शूटिंग दो दिन चली। यह बहुत ही व्यस्तता भरा था। शूटिंग के दौरान मुझे पीरियड्स हो रहे थे और आप जानते हैं कि आप फूले हुए होने के कारण अपना बेस्ट परफॉर्मेंस नहीं कर पा रहे होते हैं।'

उन्होंने आगे कहा था, 'काश, मैं अपने पूरे जोश में होती। दो दिन में इतना सारा काम था, समय बहुत कम था। हम बहुत थक गए थे, इतना नाचने के बाद हमारी हड्डियां दुख रही थीं।' इस बयान के बाद आएशा खान को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था।

बिग बॉस 17 में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट रहीं, मुनव्वर पर लगाए चीटिंग के आरोप

आएशा खान को बिग बॉस 18 से पहचान मिली थी। वो शो में बतौर वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट शामिल हुईं और शो में उन्होंने मुनव्वर फारूकी पर चीटिंग के आरोप लगाए। आएशा ने दावा किया कि मुनव्वर उनके साथ रिलेशनशिप में थे, जबकि बाद में उन्हें पता चला कि वो किसी और लड़की के साथ भी थे। उन्होंने बताया था कि मुनव्वर ने अपनी एक्स वाइफ के साथ भी चीट किया है। आयशा ने यह भी कहा था कि मुनव्वर एक साथ कई लड़कियों के साथ रिश्ते में रहे हैं। आएशा की शो में एंट्री से काफी ड्रामा हुआ था।

अस्पताल में भर्ती, जल्द होगी सर्जरी, अनुराग बसु की फिल्म की शूटिंग रोकी गई

फिल्म सेट पर कार्तिक के घुटने में लगी चोट

> कबीर खान की फिल्म के अलावा कार्तिक के पास कई प्रोजेक्ट हैं। वे अगली बार मृगदीप सिंह लांबा के निर्देशन में बनी फैंटेसी-कॉमेडी-एडवेंचर फिल्म 'नागजिला' में दिखाई देंगे। कार्तिक 'कैप्टन इंडिया' का भी हिस्सा हैं, जो उनकी आने वाली फिल्मों में शामिल है।

नई दिल्ली। कार्तिक आर्यन को फिल्ममेकर कबीर खान की आने वाली अनटाइटल्ड फिल्म की शूटिंग के दौरान घुटने में गंभीर चोट लगी है। वे एक एक्शन सीन की शूटिंग कर रहे थे। यह चोट फिल्म की शूटिंग के आखिरी शेड्यूल में लगी। शूटिंग दो दिन बाद पूरी होने वाली थी। चोट लगने के बाद कार्तिक को इलाज के लिए कस्बे के एक अस्पताल ले जाया गया। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, कार्तिक इन मुश्किल एक्शन सीन से पहले एक्शन कोच के साथ कड़ी ट्रेनिंग कर रहे थे। इसी दौरान एक सीन की शूटिंग करते समय उनके घुटने में चोट लग गई।

प्रोडक्शन से जुड़े एक सूत्र के अनुसार, "कार्तिक को अब फोर्टिस राहेजा अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टर एक दिन बाद उनके घुटने की सर्जरी करेंगे। इसके बाद उन्हें कुछ दिन आराम करना होगा। इसके बाद वे अपने काम की जिम्मेदारियां फिर शुरू कर सकेंगे।" सर्जरी के बाद कार्तिक के ठीक होने के लिए कुछ समय काम से दूर रहने की उम्मीद है। फिट होने के बाद वे अनुराग बसु की अनटाइटल्ड फिल्म की शूटिंग फिर शुरू कर सकते हैं। कार्तिक को 'चंदू चैंपियन' में अभिनय के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला है। कार्तिक को 'चंदू चैंपियन' में अभिनय के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला है।

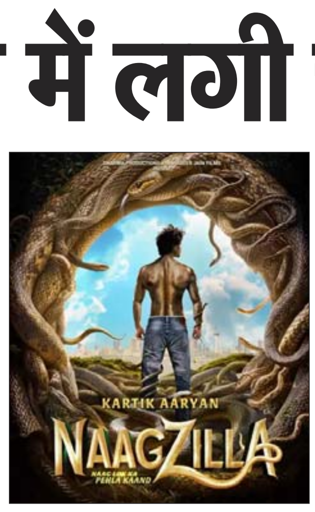

रश्मिका मंदाना को भी शूटिंग के दौरान लगी चोट

फिल्म 'मायसा' की शूटिंग के दौरान डांस सीक्वेंस करते वक्त हाल ही में रश्मिका मंदाना को चोट लगी थी। रश्मिका ने बताया था कि उनके दाहिने हिप को पैर से जोड़ने वाला एक टेंडन अलग हो गया था। इसे दोबारा जुड़ने के लिए रिकवरी और आराम की जरूरत है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'मायसा' के डांस सीक्वेंस के दौरान वह फिसल गई थीं। यह उनके करियर की सबसे ज्यादा एग्रेसिव और फिजिकल फिल्मों में से एक बताई जा रही है।

मैं अंधभक्त हूं : ईशा कोप्पिकर

कंगना ने की सराहना, कहा- मुझे देश-लोगों से प्यार, जिंदगी उसी तरह सादगी से जीती हूं

नई दिल्ली। ईशा कोप्पिकर ने हाल ही में एक वीडियो जारी कर खुद को अंधभक्त कहा है। ईशा का वीडियो सामने आने के बाद भाजपा सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनोट ने उनके बयान पर सहमति जताते हुए सपोर्ट किया है।

2019 में भारतीय जनता पार्टी जॉइन करने वालीं ईशा कोप्पिकर ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो जारी कर कहा, 'नमस्ते मैं ईशा कोपिकर अंधभक्त, अगर अपने देश से प्यार करना, भारत से प्यार करना और उसकी प्रगति चाहना भक्ति है, तो हां मैं अंधभक्त हूं। लेकिन मेरी भक्ति किसी पॉलिटिकल पार्टी के लिए नहीं, मेरे देश के लिए है।' उन्होंने कहा कि वह सरकार से सवाल कर सकती हैं और उसकी नीतियों से असहमत हो सकती हैं। इसके बावजूद वह पूरे दिल से अपने देश से प्यार कर सकती हैं। ईशा ने आगे कहा, 'यह देश मेरा घर है, जहां मैंने अपनी रोजी रोटी कमाई है और कमा रही हूं, और जहां मुझे लगातार मौके मिलते रहे हैं। इसलिए, मुझे अपने देश पर गर्व करने में कोई शर्म नहीं है। आप चाहे कहीं भी रहें, उस जगह से प्यार करना, उसका सम्मान करना और उसमें योगदान देना सीखें। आपने जो घर चुना है, उस पर गर्व करें।' आखिर में ईशा ने कहा, 2 किस्म की औलाद होती है। एक जो ये गिनते हैं कि मां-बाप ने क्या नहीं दिया और दिया। और दूसरे वो जो कुछ भी मिलने पर उससे अपनी और मां-बाप की जिंदगी बेहतर बनाते हैं। फर्क सिर्फ सोच का है। क्यों न हम भी सोच बदले। पूरे समय ये सोचने की बजाए कि देश ने हमें क्या दिया, हम ये सोचें कि हमने देश के लिए क्या किया।' ईशा कोपिकर का ये वीडियो री-शेयर कर कंगना ने तारीफ में लिखा है, वाह! मेरे लिए बहुत अच्छे से समझाया गया है। हाई स्कूल में मैंने उस टीचर के खिलाफ आवाज उठाई, जो बच्चों के सिर पर स्टिक से मारता था। 26/11 के आतंकवादी हमले के खिलाफ आवाज उठाई।निर्भया के साथ हुई बर्बरता के खिलाफ आवाज उठाई। अपने माता-पिता को कभी भी अपनी राह में आने वाली किसी भी सीमा के लिए दोषी नहीं ठहराया, बल्कि अपने लिए वही जीवन स्तर हासिल किया, जो उन्होंने मेरे लिए बनाया था।

ट्रम्प बोले-चुनाव में मेरी जीत हुई थी, धांधली रोकने के लिए कानून बनाऊंगा

'2020 चुनाव में 24,000 गैर-नागरिकों ने वोट डाले'

दावा

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर दावा किया है कि 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में धांधली हुई थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि मतदाता और नागरिकता रिकॉर्ड की जांच में 24 हजार से ज्यादा गैर-अमेरिकी नागरिकों के वोट डालने का पता चला है। ट्रम्प ने आगे कहा कि अमेरिकी जनगणना ब्यूरो मतदाता रिकॉर्ड और नागरिकता रिकॉर्ड का मिलान कर रहा है। अब तक 12.8 करोड़ मतदाताओं की जांच की जा चुकी है। अभी 3.2 करोड़ और

मतदाताओं के रिकॉर्ड की जांच होनी बाकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी, अवैध मतदान के मामलों की संख्या और बढ़ सकती है। उन्होंने यह भी दावा किया कि 2020 के चुनाव में उनकी ही जीत हुई थी। ट्रम्प ने कहा कि चुनाव में फर्जीवाड़ा रोकने के लिए वे 'सेव अमेरिका एक्ट' लाने वाले हैं। हर राज्य को उसकी आबादी और संसद में उसके प्रतिनिधित्व के आधार पर कुछ इलेक्टोरल वोट मिलते हैं। अमेरिका में सभी राज्यों को मिलाकर 538 इलेक्टोरल वोट हैं। राष्ट्रपति बनने के लिए किसी उम्मीदवार को 270 वोट चाहिए। उदाहरण के लिए, अगर किसी उम्मीदवार को किसी राज्य में सबसे ज्यादा वोट मिलते हैं, तो आम तौर पर उस राज्य के सभी इलेक्टोरल वोट उस उम्मीदवार को मिल जाते हैं।

डोनाल्ड ट्रम्प ने 24 हजार गैर-नागरिकों के कथित अवैध मतदान का मुद्दा ऐसे समय उठाया है, जब वह सेव अमेरिका ऐक्ट के लिए समर्थन जुटा रहे हैं। अगर ये कानून पास होता है तो वोटर रजिस्ट्रेशन के समय नागरिकता का प्रमाण देना अनिवार्य होगा।

सेव अमेरिका ऐक्ट के लिए समर्थन जुटा रहे ट्रम्प

ट्रंप और उनके समर्थकों का कहना है कि इससे गैर-नागरिकों के मतदान पर रोक लगेगी और चुनावी प्रक्रिया ज्यादा सुरक्षित होगी।

इलेक्टोरल कॉलेज में बाइडेन को 306 वोट जबकि ट्रम्प को 232 वोट मिले। वहां राष्ट्रपति चुनाव का नतीजा इलेक्टोरल वोट से ही तय होता है।

ट्रम्प क्यों उठा रहे हैं यह मुद्दा?

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग के लिए पहचान संबंधी जानकारी देनी होती है। हालांकि पूरे देश में एक जैसा नियम नहीं है। हर राज्य के अपने चुनावी नियम हैं। इसलिए वोट डालने के लिए मांगे जाने वाले दस्तावेज भी राज्य के हिसाब से बदलते हैं। वॉशिंगटन डीसी समेत 15 ऐसे राज्य हैं जहां वोट डालने के लिए फोटो आईडी जरूरी नहीं है। इनमें से ज्यादातर राज्य ऐसे हैं जहां चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी की जीत होती है। ट्रम्प और उनकी पार्टी के नेता का आरोप है कि जिन राज्यों में फोटो आईडी जरूरी नहीं है, वहां किसी और के नाम पर वोट डालने या गैर-नागरिकों के मतदान का खतरा रहता है। इसलिए वे सख्त पहचान और नागरिकता जांच की मांग कर रहे हैं।

2020 में राष्ट्रपति चुनाव हार गए थे ट्रम्प

अमेरिका में 2020 का राष्ट्रपति चुनाव जो बाइडेन ने जीता था। उन्होंने तत्कालीन राष्ट्रपति ट्रम्प को हराया था। इस चुनाव में बाइडेन को 8.1 करोड़ वोट मिले, जबकि ट्रम्प को 7.4 करोड़ वोट मिले।

ईरान के साथ सभी व्यापारिक और वित्तीय लेन-देन पर लगाई रोक

अबू धाबी, एजेंसी

मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच संयुक्त अरब अमीरात (UAE) ने ईरान के साथ सभी प्रकार के व्यापारिक और वित्तीय लेन-देन को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने की घोषणा की है।

UAE के विदेश मंत्रालय की संचार निदेशक अफरा अल हामेली ने कहा कि क्षेत्र में बढ़ते तनाव को देखते हुए यह सख्त कदम उठाया गया है और यह रोक अगली सूचना तक जारी रहेगी। यह कड़ा फैसला UAE की ओर से ईरान पर समुद्री सीमा के भीतर और बाहर दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागने के आरोप के बाद आया है। UAE के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, उनकी एयर डिफेंस प्रणाली ने ईरान की तरफ से आती दो बैलिस्टिक मिसाइलों को ट्रैक किया, जो समुद्री जहाजों को निशाना बना रही थीं और समुद्र में गिरीं। इस घटना के दौरान स्थानीय निवासियों को संभावित मिसाइल हमले की चेतावनी देने वाला आपातकालीन फोन अलर्ट जारी कर सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा गया। हालांकि, यह अलर्ट कुछ समय बाद हटा लिया गया।

दूसरी ओर, ईरान ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। तेहरान में ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकाई ने कहा कि UAE के दावे पूरी तरह से बेबुनियाद हैं ।

फास्ट न्यूज

पहली बार टाटा संस की एनुअल मीटिंग टली

मुंबई । टाटा समूह के मुख्यालय 'बॉम्बे हाउस' में आज 18 अगस्त को होने वाली टाटा संस की एनुअल जनरल मीटिंग टल गई है। इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि टाटा संस की एजीएम टली हो। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन बैठक में शामिल होने सुबह ही पहुंच चुके थे, लेकिन कानूनी व तकनीकी अड़चनों के चलते ये बैठक बिना किसी फैसले के स्थगित हो हो गई। पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से ये जानकारी दी है।

ईरान का सैन्य भंडार भरेगा रूस

मॉस्को। ईरान, अमेरिका और इजराइल के साथ युद्ध के दौरान खत्म हुए अपने सैन्य भंडार को फिर से भरने की कोशिश कर रहा है। इसके लिए रूस कैस्पियन सागर के रास्ते ईरान को विस्फोटक, ड्रोन के पार्ट्स और गोला-बारूद भेज रहा है। NBC न्यूज को मिले और एक पश्चिमी अधिकारी द्वारा पुष्टि किए गए यूरोपीय सरकार के दस्तावेज के अनुसार से जानकारी सामने आई है। NBC को मिले यूरोपीय सरकार के एक आधिकारिक दस्तावेज से पुष्टि हुई है कि इन शिपमेंट्स में TNT, ड्रोन के पार्ट्स और गोला-बारूद शामिल हैं।

'बच्चों पर इंस्ट्राग्राम के असर से वाकिफ था मेटा'

वाशिंगटन। 29 अमेरिकी राज्यों के का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों ने मेटा पर अंदरूनी रिसर्च को छिपाने का आरोप लगाया है। 'द गार्डियन' की रिपोर्ट के अनुसार, इस रिसर्च में कथित तौर पर पाया गया था कि इंस्टाग्राम किशोरों के लिए लत लगाने वाला हो सकता है। ये आरोप तब लगाए गए जब कैलिफोर्निया के ओकलैंड में एक फेडरल कोर्ट में मेटा के खिलाफ एक बड़ी कानूनी लड़ाई शुरू हुई।

'रुपए को गिरने से बचाने की जरूरत नहीं'

पीएम सलाहकार बोले- मार्केट को तय करने दें करेंसी का स्तर, महंगाई-कंट्रोल करने पर ध्यान दे भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने कहा कि भारत को रुपए में गिरावट रोकने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। इसके बजाय उसे मार्केट के हिसाब से अपना स्तर तय करने देना चाहिए। वहीं हमारा मुख्य फोकस महंगाई दर को कंट्रोल में रखने पर होना चाहिए।

सान्याल ने कहा कि जब देश ने इन्फ्लेशन टारगेटिंग फ्रेमवर्क को अपनाया था, तब उसने करेंसी एक्सचेंज रेट के ऊपर मॉनेटरी पॉलिसी को चुना था।

संजीव सान्याल ने बताया कि ओपन कैपिटल अकाउंट वाली अर्थव्यवस्थाओं में पॉलिसी मेकर्स के सामने कई चुनौतियां होती हैं।

भारत का फ्रेमवर्क इस सिद्धांत पर आधारित है कि कोई भी देश एक साथ स्वतंत्र मॉनेटरी पॉलिसी चलाने और अपनी करेंसी की विनिमय दर को सख्ती से कंट्रोल करने का काम नहीं कर सकता।

भारत जैसे बड़े और आंतरिक रूप से मजबूत देश के लिए रुपए की दर तय करने के बजाय महंगाई दर को लक्षित करना ही सही कदम है। सान्याल ने इस बात पर जोर दिया कि भारत को रुपए के स्तर में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इन्फ्लेशन टारगेटिंग सिस्टम ने देश में बहुत अच्छा काम किया है।

आईसीई ने पूछताछ के बाद किया डिटेन, वेंकटा के पास 2013 से ग्रीन कार्ड

अमेरिका में 27 साल रही भारतवंशी महिला हिरासत में

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में 27 साल से रह रहीं भारतीय मूल की वेंकटा वासमसेट्टी को इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट (ICE) ने हिरासत में ले लिया। 11 अगस्त को शार्लोट स्थित ICE कार्यालय में नियमित चेक-इन के दौरान पूछताछ के बाद उन्हें डिटेन किया गया।

वेंकटा के पास 2013 से ग्रीन कार्ड है और वह नॉर्थ कैरोलिना के सरकारी स्कूल में स्पेशल-नीड्स बच्चों को पढ़ाती हैं।

वेंकटा के खिलाफ डिपोर्टेशन की कार्रवाई चल रही थी और उन्हें नियमित रूप से ICE के सामने पेश होना पड़ता था। 19 मई को इमिग्रेशन जज ने केस खत्म कर दिया।

जज ने कहा कि सरकार यह स्पष्ट और ठोस सबूत नहीं दे पाई कि वेंकटा को अमेरिका से बाहर किया जा सकता है। इसके बावजूद 11 अगस्त को ICE कार्यालय में चेक-इन के दौरान उन्हें हिरासत में ले लिया गया। फिलहाल उन्हें जॉर्जिया के इरविन काउंटी डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। वेंकटा को गंभीर डायबिटीज है और उनके वकील के मुताबिक, हिरासत में लिए जाने के समय उनके पास इंसुलिन और जरूरी मेडिकल सप्लाई नहीं थीं।

उनके वकीलों ने हिरासत को फेडरल कोर्ट में चुनौती दी है। 13 अगस्त को जज ने ICE से तीन दिन में यह बताने को कहा कि वेंकटा को हिरासत में रखने का कानूनी आधार क्या है।

वेंकटा का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। उनकी दो बेटियां और दो पोते-पोतियां अमेरिकी नागरिक हैं।

भारत जाने के बाद ग्रीन कार्ड पर सवाल उठा

वेंकटा जुलाई 2022 में बीमार माता-पिता की देखभाल के लिए भारत आई थीं। वहां उन्हें कोविड हुआ और करीब दो हफ्ते अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा। स्वास्थ्य समस्याओं के कारण वह फरवरी 2023 में करीब 7 महीने बाद अमेरिका लौटीं।

अमेरिकी अधिकारियों ने उनकी लंबी गैर-मौजूदगी को आधार बनाकर सवाल उठाया कि क्या उन्होंने अमेरिका में अपना स्थायी निवास छोड़ दिया था।

वेंकटा के वकीलों ने कहा कि उनका घर, नौकरी और परिवार अमेरिका में है और उन्होंने स्थायी रूप से भारत लौटने का इरादा नहीं किया था। ग्रीन कार्डधारक 180 दिन से ज्यादा अमेरिका से बाहर रहें तो इमिग्रेशन अधिकारी यह जांच कर सकते हैं कि उन्होंने अमेरिका को अपना स्थायी घर बनाए रखा है या नहीं।

> **स्पेशल-नीड्स बच्चों के साथ काम करने वाली दादी वेंकटा वासमसेट्टी को तय आईसीई चेक-इन के दौरान हिरासत में लिया गया।**

इमरान से बहन और पत्नी ने की मुलाकात

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अडियाला जेल पहुंचीं, पूर्व पीएम अस्पताल शिफ्ट किए जाएंगे

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से उनकी बहन नोरीन नियाजी और पत्नी बुशरा बीबी ने अडियाला जेल में मुलाकात की। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद यह मुलाकात हुई। नोरीन 9 महीने बाद इमरान से मिलीं।

करीब 15 मिनट की मुलाकात में परिवार ने इमरान की सेहत के बारे में पूछा। उन्होंने उन्हें सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश की जानकारी भी दी, जिसमें इमरान को इलाज के लिए शिफा इंटरनेशनल अस्पताल भेजने को कहा गया है।

इमरान और पत्नी बुशरा बीबी की मुलाकात करीब 30 से 35 मिनट चली। मुलाकात के बाद नोरीन ने इमरान से मिलने की पुष्टि की, लेकिन कोर्ट के निर्देश के मुताबिक मीडिया से बात नहीं की।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इमरान के परिवार से हर हफ्ते मुलाकात कराने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा कि परिवार से मिलना कोई एहसान नहीं, बल्कि मौलिक अधिकार है। अदालत ने पिछले 3 साल में इमरान और उनकी बहनों के बीच हुई मुलाकातों का रिकॉर्ड भी मांगा है। उनके बेटों से हुई बातचीत और फोन कॉल की जानकारी देने को भी कहा गया है। शहबाज सरकार इमरान खान को अस्पताल भेजने के आदेश के खिलाफ रिव्यू पिटीशन दायर करेगी। पाकिस्तान के कानून मंत्री आजम नजीर तरार ने CNN-न्यूज 18 से कहा कि सरकार ने कोर्ट के आदेश की समीक्षा की है। सरकार का मानना है कि आदेश के कुछ हिस्से मौजूदा कानून के मुताबिक नहीं हैं।

तस्वीर पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहनें नोरीन नियाजी (बाएं), अलीमा खानुम (बीच में) और उजमा खानुम की है। (फाइल फोटो)

पुलिस ने तीन बहनों में सिर्फ नोरीन को मिलने दिया

नोरीन अपनी बहनों अलीमा खान और उजमा खान के साथ अडियाला जेल के रास्ते में डहगल चेकपॉइंट पहुंची थीं। पुलिस ने तीनों को रोक लिया। बाद में सिर्फ नोरीन को इमरान से मिलने के लिए जेल जाने दिया। करीब 15 मिनट की मुलाकात के बाद नोरीन ने इमरान से मिलने की पुष्टि की। हालांकि, कोर्ट में दिए भरोसे के मुताबिक उन्होंने मीडिया से कोई बात नहीं की।

इमरान को अस्पताल भेजने का भी आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने इमरान को इलाज और मेडिकल जांच के लिए शिफा इंटरनेशनल अस्पताल भेजने का आदेश भी दिया है। कोर्ट ने उनके इलाज के लिए मेडिकल बोर्ड बनाने को कहा है, जिसमें उनके निजी डॉक्टर और बहन डॉ. उजमा खान को शामिल किया जाएगा।

अडियाला जेल की मेडिकल रिपोर्ट में इमरान के ब्लड प्रेशर और तनाव को लेकर चिंता जताई गई थी।

अमेरिकाः मछली पकड़ने गई महिला का बेटा नदी में डूबा

बचाने के चक्कर में गई मां की जान

वाशिंगटन, एजेंसी

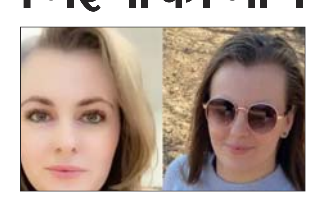

अमेरिका के इलिनोइस में तीन बच्चों की एक मां अपने सात साल के मासूम बेटे को नदी के तेज बहाव से बचाते हुए खुद डूब गई। 31 वर्षीय एंजेलीना खलीमेंडिक की डूबने से मौत हो गई।

एंजेलीना खलीमेंडिक अपने बच्चों को लेकर इंडिपेंडेंस ग्रोवर फॉरेस्ट प्रिजर्व में डेस प्लेन्स नदी के किनारे मछली पकड़ने गई थीं।

सीबीएस शिकागो की रिपोर्ट के अनुसार, शाम 7 बजे के बाद जब उनका 7 साल का बेटा अचानक फिसलकर पानी के तेज बहाव में बहने लगा, तो एंजेलीना ने बिना अपनी जान की परवाह किए तुरंत नदी में छलांग लगा दी।

खुद पानी में डूबने और फिसलने से ठीक पहले वे अपने बेटे को किनारे खड़े परिवार के एक सदस्य तक सुरक्षित पहुंचाने में सफल रहीं। हालांकि, इस जांबाजी के बाद वे खुद गहरे पानी और तेज बहाव में बह गईं।

जिस समय यह हादसा हुआ, एंजेलीना की 11 साल की बेटी और 9 साल का दूसरा बेटा भी वहां मौजूद था, जबकि उनके पति शहर से बाहर थे।

जब तक फर्स्ट रेस्पॉन्डर्स मौके पर पहुंचते, रिश्तेदार और राहगीर उन्हें पानी से बाहर निकाल चुके थे। उन्हें तुरंत सीपीआर (CPR) दिया गया और एडवोकेट कॉन्डेल मेडिकल सेंटर ले जाया गया।

हालांकि, फेफड़ों में बहुत ज्यादा पानी भर जाने के कारण डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

नाराजगी : पाकिस्तान बोला- इसमें सिर्फ भारत का पक्ष, हकीकत नहीं, 15 अगस्त को रिलीज हुई थी

ऑपरेशन सिंदूर पर बनी डॉक्यूमेंट्री प्रोपेगेंडा

इस्लामाबाद, एजेंसी

ऑपरेशन सिंदूर पर बनी डॉक्यूमेंट्री को लेकर पाकिस्तान ने नाराजगी जताई है। पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने डॉक्यूमेंट्री को प्रोपेगेंडा बताया। उन्होंने कहा कि फिल्म में घटनाओं को भारत के पक्ष में दिखाया गया है और इससे असली घटनाएं नहीं बदल सकतीं।

अहमद शरीफ ने मंगलवार रात करीब 2 बजे सोशल मीडिया X पर यह बयान दिया। उन्होंने डॉक्यूमेंट्री को 'ट्रैजेडी और कॉमेडी' तक बताया। उनका आरोप है कि फिल्म में कुछ चुनिंदा इंटरव्यू, भावुक कहानी और फिल्मी अंदाज का इस्तेमाल किया गया है।

डिक्लासिफाइडः ऑपरेशन सिंदूर नाम से 15 अगस्त को दो पार्ट वाली एक डॉक्यूमेंट्री सीरीज रिलीज हुई है। इसे वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी ने बनाया है। यह अमेरिका की एक बड़ी मीडिया और एंटरटेनमेंट कंपनी है। इसे डिस्कवरी चैनल पर रिलीज किया गया है। डॉक्यूमेंट्री में पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की 88 घंटे लंबी सैन्य कार्रवाई की योजना और उसे कैसे लागू किया गया है, को दिखाया गया है। इसमें पहली बार कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी कैमरे पर इस ऑपरेशन के बारे में विस्तार से बात करते हैं। पाकिस्तानी सेना ने कहा कि लड़ाई दोनों देशों के DGMO यानी सैन्य ऑपरेशन के प्रमुख अधिकारियों के बीच बातचीत के बाद रुकी थी। इसलिए इसे भारत की एकतरफा जीत बताना सही नहीं है। पाकिस्तान ने कहा कि डॉक्यूमेंट्री में एक तरफ भारत की बड़ी और सटीक सैन्य कार्रवाई की बात कही गई है, तो दूसरी तरफ यह भी कहा गया है कि भारत ने लड़ाई को सीमित रखा और पाकिस्तान को पीछे हटने का मौका दिया। पाकिस्तान ने इसे विरोधाभासी दावा बताया। 22 अप्रैल 2025 के पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव तेजी से बढ़ा। 7 मई को भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकी ठिकानों पर हमला किया।

पाकिस्तान बोला- सैन्य नाकामी को जीत बताया

पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के नतीजे को अपनी जीत के तौर पर दिखाया है।

उन्होंने कहा कि फिल्म में कहानी और वीडियो के जरिए सैन्य नाकामी को सफल ऑपरेशन बताया गया है। उनका कहना था कि फिल्म बनाने से उस समय हुई असली घटनाएं नहीं बदल सकतीं।

अहमद शरीफ दावा किया कि भारत-पाकिस्तान के बीच हुए चार दिन के संघर्ष में उनकी सेना ने 8 भारतीय सैन्य विमान गिराए थे। हालांकि, भारत इन दावों को पहले ही नकार चुका है।

अफगानिस्तान के स्कूल में बम धमाका, कम से कम 42 बच्चे घायल

धमाके में 9 से 14 साल के बच्चे प्रभावित हुए

काबुल, एजेंसी

अफगानिस्तान में यूएन मिशन ने मंगलवार को बताया कि काबुल के एक एजुकेशन सेंटर में हुए धमाके में कम से कम 42 बच्चे घायल हो गए हैं। मिशन ने धमाके की वजह के बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

अफगानिस्तान में मानवाधिकारों पर यूएन के विशेष दूत रिचर्ड बेनेट ने इससे पहले काबुल के पश्चिमी इलाके दश्त-ए-बरची में एक स्कूल के पास हुए भयानक हमले की निंदा की थी। यह इलाका ऐतिहासिक रूप से सताए गए शिया हजारा समुदाय का घर है। सोमवार को हुए धमाके के शिकार लोगों की उम्र 9 से 14 साल के बीच थी।

न्यूज एजेंसी एएफपी ने बताया, ₹UNAMA ने अभी तक धमाके की परिस्थितियों की पुष्टि नहीं की है। हमले या बिना फटे विस्फोटक दोनों तरह की अलग-अलग रिपोर्टें मिल रही हैं।₹ कई दशकों के संघर्ष के कारण अफगानिस्तान में युद्ध के बाद बचे विस्फोटक पदार्थ बिखरे पड़े हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, दुनिया भर में हताहत होने वालों की संख्या के मामले में यह देश तीसरे स्थान पर है।

अफगानिस्तान के डायरेक्टरेट ऑफ माइन एक्शन कोऑर्डिनेशन ने घटनास्थल की जांच के बाद बताया कि सोमवार दोपहर स्कूल में एक ग्रेनेड फटा था। यह जानकारी काबुल पुलिस द्वारा पहले दी गई जानकारी से मेल खाती है।

UNAMA ने कहा, ₹हमारी संवेदनाएं घायल बच्चों और उनके परिवारों के साथ हैं। हम इस घटना के हालात का पता लगाने के लिए जांच की मांग करते हैं।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96